▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 318 ▸▸ मुंबई, शनिवार, 24 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- एमएमआर की खराब हवा पर कोर्ट सख्त
- निगम अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार
- पहले नवी मुंबई आयुक्त के वेतन को रोकने का आदेश, फिर टाला
- बीएमसी आयुक्त के वेतन को भी रोके जाने की चेतावनी
- आप दूसरी दुनिया में नहीं रह रहे : कोर्ट

## बीएमसी के वकील ने कोर्ट में दी दलील

वहीं बीएमसी के वकील अपनी दलील पेश की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि कई निर्माण स्थलों पर काम रोकने के नोटिस जारी किए गए हैं और लगभग 600 में से 400 साइटों पर एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग डिवाइस लगाए गए हैं। हालांकि, कोर्ट ने इस जवाब से संतोष नहीं जताया और कहा कि ये सभी कदम केवल कोर्ट के आदेशों के बाद ही उठाए गए, जबकि वर्षों तक कोई स्वयंसेवी और गंभीर प्रयास नहीं किए गए। कोर्ट ने एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग के डेटा की विस्तृत रिपोर्ट मांगी और बीएमसी को नवंबर 2025 से तीन महीने पहले तक का रोजाना का सेंसर डेटा जमा करने का निर्देश दिया।

# सांसों पर आपातकाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई सहित पूरे एमएमआर (MMR) क्षेत्र में लगातार गिरते वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने बेहद ही आक्रामक रुख अपनाया है। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रशासन की ढिलाई पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिए गए निर्देशों का पालन न करना अदालत की अवमानना माना जाएगा।

### नवी मुंबई आयुक्त का वेतन रोकने का आदेश

अदालत ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए नवी मुंबई महानगरपालिका (NMMC) के आयुक्त कैलाश शिंदे का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है। यह सख्त कार्रवाई अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद उनके द्वारा व्यक्तिगत हलफनामा (Personal Affidavit) दाखिल न करने के कारण की गई है। आयुक्त ने स्वयं जिम्मेदारी लेने के बजाय हलफनामा दाखिल करने का काम नगर निगम के शहर अभियंता को सौंप दिया था, जिसे कोर्ट ने आदेशों की सीधी अवहेलना और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार माना। हालांकि बाद में आदेश को चेतावनी देकर फिलहाल टाला गया है।

### बीएमसी को चेतावनी और विस्तृत डेटा की मांग

उच्च न्यायालय ने केवल नवी मुंबई ही नहीं, बल्कि बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) को भी कड़ी चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा कि यदि निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो बीएमसी आयुक्त के विरुद्ध भी वेतन रोकने जैसे कठोर आदेश जारी किए जा सकते हैं। अदालत ने सभी नगर पालिकाओं से सितंबर 2025 से अब तक लगाए गए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम की सटीक संख्या, उनकी वर्तमान स्थिति और उनसे प्राप्त डेटा की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

### स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव और श्वसन रोगों में वृद्धि

याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने अदालत के सामने डराने वाले आंकड़े पेश किए। समाचार रिपोर्टों और चिकित्सा विशेषज्ञों के हवाले से बताया गया कि मुंबई में प्रदूषण के कारण श्वसन संबंधी रोगों के मरीजों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका सबसे बुरा असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। प्रदूषण की यह गंभीर स्थिति न केवल एक पर्यावरणीय संकट है, बल्कि एक बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल का रूप ले चुकी है। सुनवाई के दौरान यह चौंकाने वाला आरोप भी लगाया गया कि नगर पालिकाओं द्वारा शहर में लगाए गए कई एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम केवल 'दिखावे' के लिए हैं। वकीलों के अनुसार, कई सिस्टम केंद्रीय निगरानी प्रणाली से जुड़े ही नहीं हैं, जिस कारण आम जनता और प्रशासन को प्रदूषण की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता। कोर्ट ने इस तकनीकी खामी पर नाराजगी जताते हुए पारदर्शी डेटा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

# भुजबल को राहत

- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनसीपी नेता आरोपों से बरी
- महाराष्ट्र सदन' के निर्माण से जुड़े मामले में लगे थे आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से चले आ रहे एक बड़े कानूनी मामले में राकांपा नेता और मंत्री छगन भुजबल को बड़ी राहत मिली है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने महाराष्ट्र सदन निर्माण से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत ने साफ कहा कि भुजबल के खिलाफ आरोप तय करने लायक ठोस सबूत पेश नहीं किए जा सके। यह मामला वर्ष 2005-06 का है। उस समय भुजबल महाराष्ट्र सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे। आरोप था कि नई दिल्ली में महाराष्ट्र सदन के निर्माण का ठेका एक निजी कंपनी को गलत तरीके से दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने दावा किया था कि इस सौदे के बदले भुजबल और उनके परिजनों को कथित रूप से रिश्वत मिली थी, जिसे मनी लॉन्ड्रिंग बताया गया।

**साल 2005-2006 का मामला, तब पीडब्ल्यूडी मंत्री थे भुजबल**

### ईडी के आरोप और कोर्ट की टिप्पणी

ईडी का आरोप था कि निर्माण कंपनी केएस चमनकर ने भुजबल परिवार को किकबैक दिया। जांच एजेंसी के मुताबिक यह पैसा उन कंपनियों में भेजा गया, जिनमें भुजबल के बेटे पंकज भुजबल और भतीजे समीर भुजबल निदेशक थे। हालांकि अदालत ने कहा कि ईडी इन आरोपों को साबित करने के लिए कोई पुख्ता साक्ष्य पेश नहीं कर सकी, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग का मामला टिक सके।

### चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी राहत

इस मामले से जुड़े एक अन्य अहम फैसले पहले ही आ गया था। उसमें बॉम्बे हाईकोर्ट ने छगन भुजबल और उनके परिवार के चार्टर्ड अकाउंटेंट श्याम राधाकृष्ण मालपानी को भी मनी लॉन्ड्रिंग केस से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि केवल ऑडिट में लापरवाही को मनी लॉन्ड्रिंग अपराध नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑडिटर की भूमिका जांच एजेंसी जैसी नहीं होती।

### पुराना मामला, लंबी कानूनी लड़ाई

ईडी ने यह केस वर्ष 2015 में एसीबी की शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। इसी मामले में छगन भुजबल को 2015 में गिरफ्तार किया गया था और वह 2018 तक जेल में रहे, बाद में उन्हें जमानत मिली। 2021 में विशेष अदालत ने एसीबी से जुड़े मामलों में भुजबल, उनके बेटे, भतीजे और अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। अब मनी लॉन्ड्रिंग केस में भी बरी होने से भुजबल को बड़ी कानूनी और राजनीतिक राहत मिली है।

# जम्मू-कश्मीर के कठुआ में जैश कमांडर ढेर

- अमेरिका मेड M4 राइफल बरामद

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार शाम सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान को मार गिराया। यह एनकाउंटर बिलावर इलाके में हुआ, जहां आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक उस्मान पिछले 3-4 वर्षों से डोडा, उधमपुर और कठुआ क्षेत्र में सक्रिय था। एनकाउंटर स्थल से अमेरिका में बनी एम-4 राइफल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इससे पहले भी कठुआ, डोडा, बसंतगढ़ और उधमपुर में सुरक्षाबलों से उसकी मुठभेड़ हो चुकी थी, लेकिन हर बार वह बच निकलने में कामयाब रहा था।

### आतंकी ठिकानों का भी हुआ था भंडाफोड़

आईजीपी जम्मू ने उस्मान के मारे जाने की पुष्टि की है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने बिलावर इलाके में आतंकियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़ किया था। इससे पहले 7 जनवरी और 13 जनवरी को भी बिलावर क्षेत्र के कहोग और नजोत जंगलों में आतंकियों के साथ मुठभेड़ हो चुकी है।

## ब्रीफ न्यूज़

### किसानों के लिए 'डिजिटल क्लाइमेट एटलस' लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) महानिदेशक एमएल जाट ने 'डिजिटल क्लाइमेट एटलस' लॉन्च किया। यह किसानों को मदद करने वाला डिजिटल मंच है। शुक्रवार को महानिदेशक जाट ने 'नेशनल इनोवेशन इन क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर प्रोग्राम' पर एक कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में पर्यावरण से जुड़ा सरकार का अहम अभियान महत्वपूर्ण मोड़ पर है। कहा कि इसके लिए स्पष्ट रणनीतिक दिशा और दूरगामी दृष्टिकोण की जरूरत है। कहा कि बार-बार जलवायु तनाव के बावजूद भारतीय कृषि ने उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार) राजबीर सिंह ने विश्वसनीय कार्बन क्रेडिट कार्यप्रणाली को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

### कांग्रेस ने निवेश के दावे पर फडणवीस को घेरा

मुंबई। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में लाखों करोड़ रुपये के निवेश के नाम पर देवेंद्र फडणवीस सरकार झूठ बोल रही है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जमीन पर कुछ नहीं दिखा है। पार्टी नेता अतुल लोंढे ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गाजे-बाजे के साथ दावोस गए और अब कह रहे हैं कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में 30 लाख करोड़ रुपए का निवेश आने वाला है। वर्ष 2023-24 में जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे, तब भी 3 लाख 60 हजार करोड़ रुपए का निवेश आने की बात हुई थी। जब फडणवीस मुख्यमंत्री बने, तब 2024-25 में 15 लाख करोड़ की बात हुई और अब 30 लाख करोड़ की बात हो रही है।

# बदलापुर में फिर मासूम से दरिंदगी

**प्राइवेट स्कूल वैन में 4 साल की बच्ची से छेड़छाड़**

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

बदलापुर से एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक निजी इंग्लिश स्कूल की प्री-प्राइमरी में पढ़ने वाली चार साल की मासूम बच्ची के साथ स्कूल वैन के ड्राइवर द्वारा कथित रूप से छेड़छाड़ की गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तनाव फैल गया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। बदलापुर की इस घटना ने अगस्त 2024 के अक्षय शिंदे केस की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें एक सफाईकर्मी ने चार साल की बच्ची के साथ दरिंदगी की थी।

### 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड

गिरफ्तार आरोपी ड्राइवर को कल्याण कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ अदालत ने उसे 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड में भेज दिया है। पुलिस का तर्क है कि पूछताछ के दौरान इस बात का पता लगाना जरूरी है कि क्या आरोपी ने पहले भी ऐसी किसी हरकत को अंजाम दिया था। पीड़ित पक्ष के वकील एमडी पांडे ने इसे पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत एक अत्यंत गंभीर मामला बताया है, जिसमें कड़ी सजा का प्रावधान है। यह घटना गुरुवार दोपहर की है जब बच्ची तय समय (12:30 बजे) पर घर नहीं पहुंची। लगभग एक घंटे की देरी से जब वह घर लौटी, तो वह बुरी तरह डरी और सहमी हुई थी। परिजनों के बार-बार पूछने पर मासूम ने रोते हुए वैन ड्राइवर की काली करतूत के बारे में बताया। इसके बाद आक्रोशित परिजनों ने तुरंत स्कूल प्रबंधन और स्थानीय पुलिस से संपर्क कर एफआईआर दर्ज कराई।

### शर्म से सिर झुका देने वाली घटना : सपकाल

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बदलापुर में एक छोटी बच्ची के साथ हुए यौन उत्पीड़न की घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को 'शर्म से सिर झुका देने वाली' बताते हुए राज्य सरकार की इच्छाशक्ति पर सवाल उठाए हैं। सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें महाराष्ट्र का अब तक का सबसे निष्क्रिय, अक्षम और गैर-जिम्मेदार मुख्यमंत्री करार दिया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने याद दिलाया कि करीब डेढ़ साल पहले भी बदलापुर के एक स्कूल में ऐसी ही घटना हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह स्कूल भाजपा और संघ से जुड़ा था, जिसके कारण सरकार ने स्कूल के अध्यक्ष और सचिव के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की।

# कोर्ट की फटकार के बाद मंत्री के बेटे ने किया सरेंडर

**महाड़ चुनाव हिंसा से जुड़ा है मामला**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और शिवसेना नेता भरत गोगावले के बेटे विकास गोगावले ने शुक्रवार को रायगढ़ जिले के महाड़ पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। यह कदम बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार की कड़ी आलोचना किए जाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया। एडवोकेट जनरल मिलिंद साठे ने अदालत को सूचित किया कि विकास गोगावले के साथ उनके चचेरे भाई महेश गोगावले और छह अन्य आरोपियों ने भी पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है।

### गंभीर धाराएं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला

पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की अत्यंत गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इसमें धारा 109 (हत्या का प्रयास) और धारा 115(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना) शामिल हैं। चूंकि झड़प के दौरान सरेआम पिस्तौल लहराने की घटनाएं भी सामने आई थीं, इसलिए आरोपियों पर आर्म्स एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ क्रॉस-एफआईआर दर्ज कराई थी।

### चुनावी हिंसा और आपसी गुटबाजी का मामला

यह पूरा विवाद 2 दिसंबर को हुए नगर परिषद चुनाव के दौरान शुरू हुआ था। उस समय महायुति सरकार के दो प्रमुख घटक दलों—एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी—के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा था कि क्या राज्य में कानून का राज है? और क्या मुख्यमंत्री इतने बेबस हैं कि एक कैबिनेट मंत्री के बेटे के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पा रही है। कोर्ट की इस तल्ख टिप्पणी ने सरकार पर भारी दबाव बना दिया था, जिसके परिणामस्वरूप आरोपियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा।

# 1.5 लाख करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

**अनिल अंबानी से जवाब तलब**

एजेंसी । नई दिल्ली/मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी और अनिल अंबानी ग्रुप को निर्देश दिया है कि वे एक जनहित याचिका पर अपना जवाब यानी काउंटर एफिडेविट दाखिल करें। इस याचिका में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए के कथित बैंक फ्रॉड की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया।

### सीबीआई और ईडी से मांगी जांच की स्टेटस रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पहले जारी नोटिस के बाद अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) को भी निर्देश दिया है कि वे इस कथित फ्रॉड मामले में चल रही जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि जांच पूरी नहीं हुई है, तो एजेंसियां अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में जमा कर सकती हैं।

### मिलीभगत से जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप

PIL दाखिल करने वाले पूर्व IAS अधिकारी ईएएस सरमा ने आरोप लगाया है कि अनिल अंबानी ने सरकार और बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत से अपने सहयोगियों को जानबूझकर दिवालिया बनाकर बैंकों को करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पक्षों से जवाब तलब किया है।

**बीएमसी** आरक्षण की आधिकारिक घोषणा के बाद होड़ शुरू

# भाजपा की 49 महिला पार्षदों में 'कांटे की टक्कर'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई नगर निगम (BMC) के अगले महापौर पद का चेहरा अब साफ हो गया है—इस बार देश की सबसे अमीर महानगरपालिका की कमान एक महिला के हाथों में होगी। हाल ही में निकली आरक्षण लॉटरी के अनुसार, इस साल महापौर का पद 'सामान्य (महिला)' वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। नियम के मुताबिक, किसी भी वर्ग से चुनकर आई महिला पार्षद इस पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश कर सकती है। भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत होने के कारण, पार्टी के भीतर अब इस पद को लेकर महिला पार्षदों के बीच होड़ शुरू हो गई है।

### भाजपा में दावेदारों की बढ़ती हलचल

वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखें तो भाजपा के पास इस समय सर्वाधिक 49 महिला पार्षद हैं। पूर्ण बहुमत होने के कारण भाजपा की महिला उम्मीदवारों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। उल्लेखनीय है कि 2017 के चुनाव के बाद अंतिम ढाई वर्षों के लिए शिवसेना (ठाकरे) की किशोरी पेडणेकर महापौर थीं। अब एक बार फिर यह पद महिलाओं के लिए आरक्षित होने से सत्ता पक्ष के भीतर राजनीतिक लॉबिंग तेज हो गई है। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन मुंबई में महिलाओं ने इस सीमा को पार करने की अपनी परंपरा जारी रखी है।

### पार्टीवार महिला पार्षदों की संख्या

बीएमसी चुनाव के नतीजों में भाजपा की 49 महिलाओं ने जीत दर्ज की है। वहीं, विपक्ष में शिवसेना (ठाकरे) की 38 महिला पार्षद चुनी गई हैं। महायुति की सहयोगी शिवसेना (शिंदे) की 19 महिला पार्षदों ने जीत हासिल की है। अन्य दलों की बात करें तो कांग्रेस की 11, मनसे की 5 और एआईएमआईएम की 5 महिला पार्षद सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। संख्या बल के आधार पर भाजपा का पलड़ा सबसे भारी नजर आ रहा है।

# ठाणे महापौर पद पर बीजेपी का दावा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

## ठाणे बीजेपी मुख्यालय में नवनिर्वाचित पार्षदों की बैठक, 27 को गुट नेता का चयन

ठाणे के वर्तकनगर स्थित भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में नवनिर्वाचित पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ठाणे जिला अध्यक्ष संदीप लेले, विधायक निरंजन डावखरे और राज्य महामंत्री माधवी नाइक मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक का प्राथमिक उद्देश्य हालिया चुनावों में मिली बड़ी जीत के बाद भविष्य की प्रशासनिक रणनीति और पार्टी के भीतर संगठनात्मक नियुक्तियों पर चर्चा करना था।

बैठक के दौरान ठाणे महानगर पालिका (TMC) में 'समूह नेता' (गुट नेता) के पद को लेकर विस्तृत विमर्श हुआ। विधायक निरंजन डावखरे ने घोषणा की कि 27 जनवरी को बीजेपी के गुट नेता के नाम पर मुहर लगा दी जाएगी।

पार्टी किसी अनुभवी चेहरे को यह जिम्मेदारी सौंपने पर विचार कर रही है, हालांकि पहली बार चुने गए किसी ऊर्जावान पार्षद के नाम की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

### प्रमुख पदों पर बीजेपी का कड़ा दावा

ठाणे बीजेपी अध्यक्ष संदीप लेले ने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणामों में मिले भारी जनमत को देखते हुए पार्टी महायुति (गठबंधन) के भीतर प्रमुख पदों पर अपना दावा पेश कर रही है। बीजेपी का लक्ष्य महापौर (मेयर), उप महापौर, स्थायी समिति अध्यक्ष और सदन के नेता जैसे सभी महत्वपूर्ण पदों को अपने पास रखना है। पार्टी का मानना है कि जनादेश उनके पक्ष में है, इसलिए इन पदों पर उनका हक बनता है।

बैठक में गठबंधन सहयोगियों को भी एक स्पष्ट संदेश दिया गया। विधायक डावखरे ने कहा कि सहयोगी सत्तारूढ़ दलों को भारतीय जनता पार्टी के योगदान और ताकत का पूरा सम्मान करना चाहिए। बीजेपी नेताओं का तर्क है कि सत्ता में हिस्सेदारी केवल संख्या बल के आधार पर नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और जनता की आकांक्षाओं के आधार पर होनी चाहिए, ताकि गठबंधन की सरकार सुचारू रूप से चल सके।

### समावेशी प्रतिनिधित्व और विविध बोर्डों में हिस्सेदारी

पार्टी ने समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व देने पर जोर दिया है। इस कड़ी में एससी (SC) श्रेणी से चुनकर आए उम्मीदवारों, विशेषकर सुरेश कांबले और उषा वाघ के नामों पर विचार करने का आग्रह सहयोगी दलों से किया गया है। साथ ही, बीजेपी केवल नगर निगम तक ही सीमित नहीं रहना चाहती; पार्टी परिवहन, शिक्षा बोर्ड और वार्ड कमेटियों में भी अपने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और प्रमुख पदों की मांग कर रही है।

# उप स्टेशन प्रबंधक ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

### यात्री का खोया सामान लौटाया

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण स्थित उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्यिक) उमेश विश्वकर्मा और उनकी टीम ने 22 जनवरी 2026 को एक यात्री का खोया सामान सुरक्षित लौटाया। हेड बुकिंग क्लर्क राहुल कुमार ने स्टेशन परिसर में एक जैकेट और बैग देखा और तुरंत इसकी सूचना उप स्टेशन प्रबंधक को दी। उप स्टेशन प्रबंधक और ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ की उपस्थिति में बैग खोला गया, जिसमें 12,060 नकद और 4 लाख रुपए के आभूषण मिले। आरपीएफ की मदद से यात्री का पता कसारा में लगाया गया और स्वामित्व की पुष्टि के बाद सामान सुरक्षित लौटाया गया।

# बदलापुर में महायुति सहयोगियों के बीच हिंसक झड़प

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

बदलापुर में सत्ताधारी गठबंधन 'महायुति' के दो प्रमुख घटकों—शिवसेना (शिंदे गुट) और भाजपा—के बीच आपसी रंजिश कम होने का नाम नहीं ले रही है। ताज़ा घटनाक्रम में शिवसेना के मनोनीत नगरसेवक हेमंत चतुरे पर जानलेवा हमला किया गया है। यह हिंसक घटना गुरुवार रात वालिवली इलाके में उस समय हुई, जब हेमंत चतुरे सोनीवली में माघी गणेशोत्सव के दर्शन के लिए गए थे। वहां भाजपा पदाधिकारी तेजस उर्फ बंटी म्हस्कर और उनके समर्थकों के साथ चतुरे का सामना हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,

मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और करीब 20 से 25 लोगों ने चतुरे पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल चतुरे को फिलहाल एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

### पुलिस की त्वरित कार्रवाई और गिरफ्तारियां

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) शैलेश काले ने जानकारी दी है कि इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी तेजस (बंटी) म्हस्कर सहित उनके सहयोगियों योगेश म्हस्कर और सागर म्हस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह हमला पूर्व नियोजित था या मौके पर हुई किसी तात्कालिक बहस का नतीजा।

### दलबदल और चुनावी हार-जीत की पृष्ठभूमि

इस रंजिश की जड़ें पिछले साल हुए विधानसभा और हालिया नगर पालिका चुनावों से जुड़ी हैं। बंटी म्हस्कर पहले शिवसेना में उपशहर प्रमुख थे, लेकिन चुनावों से ठीक पहले वे भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद हुए स्थानीय चुनावों में म्हस्कर की पत्नी ने हेमंत चतुरे को सीधे मुकाबले में हराया था। हालांकि, चतुरे चुनाव हार गए, लेकिन शिवसेना ने उन्हें मनोनीत नगरसेवक (Nominated Corporator) बनाकर सदन में भेज दिया, जिसे म्हस्कर गुट ने अपनी राजनीतिक हार के रूप में देखा।

# उल्हासनगर में पुरानी इमारत का प्लास्टर गिरा, बड़ा हादसा टला

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर कैंप नंबर 4 स्थित रूपमिलन नामक 30 साल पुरानी इमारत में शुक्रवार शाम अचानक प्लास्टर गिर गया। यह घटना फ्लैट नंबर 303 में हुई, जो धर्मेंद्र आहूजा के स्वामित्व में है। घटना के समय फ्लैट खाली होने के कारण कोई हानि नहीं हुई, लेकिन इसने शहर की पुरानी इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया

प्लास्टर गिरने की सूचना मिलते ही उल्हासनगर मनपा प्रशासन और दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उनका कहना था कि इमारत की जांच आवश्यक है और प्रभावित हिस्सों की मरम्मत तुरंत की जाएगी। प्रशासन की यह प्रतिक्रिया घटना की गंभीरता को देखते हुए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। घटना ने परिसर के नागरिकों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। उन्हें डर है कि भविष्य में ऐसी घटना किसी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। इस वजह से निवासियों ने पुरानी इमारतों का तात्कालिक संरचनात्मक निरीक्षण कराने और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की जोरदार मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस पर ठोस कदम उठाता है या नहीं।

# लैंड माफिया के खिलाफ वन विभाग की कार्रवाई

- सामान सप्लाई कर रहा टेंपो ज़ब्त ड्राइवर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे वन विभाग ने कलवा सर्कल के अंतर्गत आने वाले आरक्षित वन क्षेत्र (Reserved Forest) में चल रहे अवैध कब्ज़े के प्रयासों को एक ज़ोरदार झटका दिया है। लैंड माफिया द्वारा वन भूमि पर अवैध निर्माण के लिए कंस्ट्रक्शन सामग्री की सप्लाई करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। वन विभाग की इस औचक और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया है। गोपनीय जानकारी के आधार पर यह पता

चला था कि मौजे कलवा (घोलाई नगर) के आरक्षित वन विभाग के ग्रुप नंबर 97/A में अवैध रूप से ईंटों की सप्लाई की जा रही थी। इस सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए वन रेंज ऑफिसर नरेंद्र मुठे के मार्गदर्शन में एक विशेष योजना बनाई गई। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में जाल बिछाया ताकि अवैध गतिविधि को रंगे हाथों पकड़ा जा सके।

### रंगे हाथों गिरफ्तारी और कानूनी शिकंजा

कलवा वन विभाग के सर्कल ऑफिसर संदीप सीताराम मोरे और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक कार्रवाई करते हुए निर्माण सामग्री ले जा रहे एक टेम्पो को पकड़ लिया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इन ईंटों का उपयोग आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जा करने के लिए किया जाना था। इस मामले में वन विभाग ने केस दर्ज कर टेम्पो ड्राइवर कमलेश विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने आरोपी को दो दिन की वन विभाग पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है।

### मुस्तैद टीम और रात-दिन का पहरा

इस सफल ऑपरेशन में वन विभाग के कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने अहम भूमिका निभाई। सर्कल ऑफिसर प्रवीण आव्हाड, वन गार्ड तुषार कालोखे, कृष्णा पोल, जितेंद्र देशमुख और सुनील गावित ने दिन-रात पहरा देकर इस अभियान को अंजाम तक पहुँचाया। अधिकारियों की इस सक्रियता के कारण ही वन भूमि को अवैध कब्ज़े की चपेट में आने से बचाया जा सका।

### वन संपदा की सुरक्षा पर कड़ी चेतावनी

कार्रवाई के बाद वन विभाग के सर्कल ऑफिसर नरेंद्र मुठे ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आरक्षित वन क्षेत्र पर कब्जे की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जंगल सार्वजनिक संपत्ति है और इसे लूटने वालों के खिलाफ विभाग सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा।

# मनपा में 12 दिनों तक फेज़-वाइज़ पानी कटौती

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

बृहन्मुंबई महानगर पालिका द्वारा पीसे में भातसा नदी के डैम के नॉटिक गेट सिस्टम की मरम्मत का काम किया जाएगा। इस मरम्मत से डैम में पानी का स्तर बढ़ाया जा सकेगा, जो ठाणे और मुंबई दोनों नगर पालिकाओं को पानी सप्लाई करता है। ठाणे महानगर पालिका ने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान 27 जनवरी 2026 से 7 फ़रवरी 2026 तक पीसे में पंपिंग स्टेशन का पानी का स्तर कम रहेगा। इसके परिणामस्वरूप ठाणे

शहर में पानी की सप्लाई 20% तक कम दबाव पर होगी।

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अगले 12 दिनों के लिए फेज़-वाइज़ पानी कटौती और वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन प्लान लागू करने की जानकारी दी है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस दौरान पानी का सीमित और सतर्कतापूर्वक उपयोग करें।

# नराधम को 20 वर्ष के कारावास की सजा

- नाबालिग लड़कियों के साथ किया था दुष्कर्म

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर में नाबालिग लड़कियों को प्रताड़ित करने के मामले में पोस्को के तहत दर्ज मुकदमे की सुनवाई भिवंडी सत्र न्यायालय में हुई। अदालत ने आरोपी पवन कुमार दिनेशचंद केसरवानी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, अदालत ने तय किया कि यदि आरोपी 5,000 रुपए का जुर्माना नहीं भरता है, तो उसे अतिरिक्त छह महीने का साधारण कारावास

भुगतना होगा।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पवन कुमार, भाग्यनगर, कामतघर, भिवंडी का निवासी, भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में दो पांच वर्षीय नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म कर रहा था। यह घटना 2020 में हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

### पुलिस और सरकारी पक्ष की भूमिका

भिवंडी पुलिस और सरकारी वकीलों ने अदालत में मामले का सफलतापूर्वक संचालन किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कृष्णदेव खराडे के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी सेवानिवृत्त पुलिस सब-इंस्पेक्टर अनिल पाटिल, पुलिस कांस्टेबल अभिमन्यु पाटोले और महिला पुलिस कांस्टेबल ए.एस. सगाथिया ने अपराध से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए। सरकारी पक्ष की पैरवी एड सी.बी. नवले और एड वी.एम. मुंडे ने की।

# मध्य रेल सतर्कता दल ने फर्जी रेलवे अधिकारी को रंगे हाथों पकड़ा

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

मध्य रेल सतर्कता दल ने 22 जनवरी 2026 को कल्याण रेलवे स्टेशन पर एक अभियान के दौरान हरीश कांबले को गिरफ्तार किया। आरोपी रेलवे बोर्ड सतर्कता निरीक्षक बनकर रेलवे कर्मचारी से बकाया भुगतान पास कराने के बहाने 20,000 की रिश्वत मांग रहा था। पहले भी उसने 60,000 की ऑनलाइन रिश्वत ली थी, जो कभी भी वास्तविक भुगतान में तब्दील नहीं हुई। शिकायतकर्ता की

सूचना के आधार पर दल ने जाल बिछाया और हरीश कांबले को पैसे लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी कल्याण के हवाले किया गया। यह गिरफ्तारी रेलवे में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी रोकने के अभियान में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता अधिनियम 2023 की धारा 318(2) और 319(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी को 3 से 5 वर्ष तक के कारावास और जुर्माने की सजा हो सकती है। मध्य रेल भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराता है और कर्मचारियों एवं जनता से सतर्क रहने और ऐसी गतिविधियों की सूचना देने का आग्रह करता है।

**पश्चिम रेलवे**

**सामग्री प्रबंधन विभाग ई-नीलामी बिक्री कार्यक्रम में संशोधन**

**जनवरी 2026 में स्थायी मार्ग (P. Way) एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्क्रैप की बिक्री हेतु अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम।** कृपया इस कार्यालय की ई-नीलामी बिक्री सूचना संख्या **S III / Auction Programme-1 / JAN-2026 दिनांक 11/12/2026** के संदर्भ में अवगत कराया जाता है कि मौजूदा कार्यक्रमों के अतिरिक्त, **जनवरी 2026** में निम्नलिखित मंडल के लिए P. Way स्क्रैप सामग्री के निपटान हेतु एक अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगाः

| डिपो | अतिरिक्त ई-नीलामी तिथि (जनवरी 2026) | प्रभारी मंडलीय अधिकारी | संपर्क क्रमांक |
|---|---|---|---|
| रतलाम | 27.01.2026 | वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – रतलाम | 07412-230080<br>09752-492750 |

उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **Western Railway** की सामग्री प्रबंधन विभाग की वेबसाइट **wr.indianrailways.gov.in** तथा **www.ireps.gov.in** ई-नीलामी पोर्टल पर जाएँ। **1038**

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**सामग्री प्रबंधन विभाग**

**विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति**

**ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्रमांक: S/04/2026 दिनांक: 19.01.2026**

| क्र. सं. | आइटमों का संक्षिप्त विवरण | मात्रा | आपूर्ति की तिथि |
|---|---|---|---|
| 31 | छत पर लगाया जाने वाला एयर कंडीशनिंग सिस्टम, ट्रफ (Trough) | 99 सेट | 23-फरवरी-2026 |
| 32 | WAP7/WAG9 लोकोमोटिव के नोज सस्पेंशन ड्राइव (MSU ट्यूब) के लिए प्रयुक्त लैबिरिन्थ रिंग का पूर्ण सेट। | 134 सेट | 23-फरवरी-2026 |
| 33 | ग्लार्जिन इंसुलिन 100 IU प्रति मिली की 3 मिली कार्ट्रिज (प्रत्येक 30 कार्ट्रिज की आपूर्ति पर एक इंसुलिन पेन डिवाइस निःशुल्क प्रदान किया जाएगा।) | 37,755 नग | 18-फरवरी-2026 |
| 34 | केबल सहित जंपर प्लग असेंबली। | 2,534 नग | 17-फरवरी-2026 |
| 35 | कोबाल्ट क्रोमियम से निर्मित ड्रग एल्यूटिंग कोरोनरी स्टेंट सिस्टम | 200 नग | 16-फरवरी-2026 |
| 36 | मशीनिंग किया हुआ नॉन-ड्राइविंग एंड फ्रेम असेंबली | 63 नग | 16-फरवरी-2026 |
| 37 | धातु के थ्रेडेड जोड़ों में रिसाव रोकने के लिए प्रयुक्त सीलिंग सामग्री (सीलिंग कॉर्ड)। | 6,042 नग | 12-फरवरी-2026 |
| 38 | रियोस्टैटिक ब्रेकिंग रेसिस्टर। | 40 सेट | 12-फरवरी-2026 |
| 39 | छत पर स्थापित पूर्ण एयर कंडीशनिंग पैकेज यूनिट (RMPU) | 40 सेट | 11-फरवरी-2026 |

**शुद्धिपत्र**

निम्नलिखित निविदा सूचनाओं में नियत तिथि / मात्रा में संशोधन किया जाता है। कृपया इन्हें यथोचित रूप से पढ़ा जाए:
निविदा सूचना क्रमांकः S-69-2025 दिनांकः 21.11.2025 क्रमांकः 732

नियत तिथि को '27.01.2026' के रूप में पढ़ा जाए। निविदा सूचना क्रमांकः S-73-2025 दिनांकः 15.12.2025 क्रमांकः 782

नियत तिथि को '29.01.2026' के रूप में पढ़ा जाए। निविदा सूचना क्रमांकः S-73-2025 दिनांकः 15.12.2025 क्रमांकः 784

नियत तिथि को '21.01.2026' के रूप में पढ़ा जाए। निविदा सूचना क्रमांकः S-75-2025 दिनांकः 24.12.2025 क्रमांकः 813 नियत तिथि को '03.02.2026' तथा मात्रा को '548 नग (Nos)' के रूप में पढ़ा जाए।

ईएमडी, खरीद प्रतिबंध एवं विस्तृत निविदा शर्तों से संबंधित जानकारी हेतु कृपया निम्नलिखित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** और **wr.indianrailways.gov.in** पर देखें। **1031**

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**विद्युत कार्य**

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (पावर) / बीसीटी, मुंबई सेंट्रल निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा सूचना क्रमांक: EL-81-155-14-WA-67 दिनांक: 19.01.2026** आमंत्रित करते हैं। **कार्य एवं स्थान:** कराम्बेली – कराम्बेली में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वेट ब्रिज (EIMWB) की व्यवस्था के संबंध में विद्युत (पावर) कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 9,59,871/- **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD):** ₹19,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय:** 18.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि व समय:** 18.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** **1033**

Like us on : facebook.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**ओएचई संशोधन कार्य**

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता / टीआरडी / एनएस / बीसीटी निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा सूचना क्रमांक: EL-TRD-W-118-25-26-14 दिनांक: 19.01.2026** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के उधना–जलगांव सेक्शन में सूरत दिशा की ओर लूप लाइन संख्या 1 के 300 मीटर विस्तार के संबंध में ओएचई (Overhead Equipment) संशोधन कार्य अनुमानित/**विज्ञापित लागत:** ₹ 53,90,419/- **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD):** ₹ 1,07,800/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 13.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 13.02.2026 को 15:30 बजे निविदा का विवरण वेबसाइट पर देखा जा सकता है: **www.ireps.gov.in** **1035**

Like us on : facebook.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**विद्युत कार्य**

उप मुख्य विद्युत अभियंता (कार्यशाला), पश्चिम रेलवे, कोच मरम्मत कार्यशाला, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013 द्वारा **ई-टेंडरिंग पद्धति से** निम्नलिखित कार्य हेतु **ई- निविदा सूचना क्रमांक: EL/WA/PL/2024-25/67R3 दिनांक: 19.01.2026** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम एवं स्थान:** लोअर परेल कार्यशाला, मुंबई–13 में आरसीएफ द्वारा वर्ष 2011–2012 में निर्मित एलएचबी नॉन-एसी कोचों में कार्य-क्षेत्र एवं दरों की अनुसूची के अनुसार सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग, परीक्षण एवं संशोधन का कार्य **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹1,64,44,693.20 **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD):** ₹ 2,32,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 13.02.2026 को 12:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 13.02.2026 को 12:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** **1039**

Like us on: facebook.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**विद्युत कार्य**

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (पावर) / बीसीटी, मुंबई सेंट्रल निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा सूचना क्रमांक: EL-81-98-53-WA-68 दिनांक: 19.01.2026** आमंत्रित करते हैं। **कार्य एवं स्थान:** बोईसर न्यू गुड्स शेड–बीएनजीडी (BNGD) में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वेट ब्रिज (EIMWB) की व्यवस्था के संबंध में विद्युत (पावर) कार्य **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 9,59,871/- **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD):** ₹ 19,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय:** 18.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि व समय:** 18.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** **1036**

Like us on : facebook.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**विविध कार्य**

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, मुंबई–400020 निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा क्रमांक: Dy.CE(C) CCG/356। दिनांक: 20.01.2026** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** जोगेश्वर में ब्रिज संख्या 46 का विस्तार एवं शंटिंग नेक (Shunting Neck) का प्रावधान एनआईटी मूल्य **(NIT Value):** ₹ 9,47,15,587.62 **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD):** ₹ 6,23,600/- **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 03.02.2026 को 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 03.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** **1034**

Like us on : facebook.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे**

**पूर्व-मानसून अनुरक्षण कार्यों का आउटसोर्सिंग**

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरएस/बीएल), इलेक्ट्रिक लोको शेड, पश्चिम रेलवे, वलसाड निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा सूचना क्रमांक: EL/TRS/BL/25-26/WO/04A दिनांक: 21.01.2026** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम एवं स्थान:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, पश्चिम रेलवे, वलसाड (गुजरात) में स्थित सभी ELS/BL आधारित लोकोमोटिव्स के लिए दो वर्ष की अवधि हेतु पूर्व-मानसून अनुरक्षण (Pre-Monsoon Maintenance) गतिविधियों का आउटसोर्सिंग कार्य। **स्थान:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, पश्चिम रेलवे, वलसाड – 396001 (गुजरात)। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 49,25,400/- **EMD :** ₹ 98,500/- **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक 11.02.2026 को 12:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 11.02.2026 को 12:30 बजे। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण, शर्तें एवं नियम ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इच्छुक निविदाकार अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन कर सकते हैं। **1044**

Like us on : facebook.com/WesternRly

# विधायक के भतीजे की जेल में मौत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के विधायक दौलत दरोडा के भतीजे हरीश दरोडा की जेल में हृदयाघात (हार्ट अटैक) से मृत्यु हो गई है। वह आदिवासी विकास महामंडल की धान (भात) खरीदी योजना में हुए करोड़ों रुपए के कथित घोटाले के आरोप में जेल में बंद थे।

जेल में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे जिला शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना से शहापुर तालुका और राज्य के राजनीतिक गलियारों में सनसनी फैल गई है। यह पूरा मामला वर्ष 2022-23 के खरीफ और रबी सीजन के दौरान केंद्र सरकार की न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत हुई धान खरीदी से जुड़ा है। जांच में पाया गया

कि साकडबाव केंद्र के रिकॉर्ड में 13,892 क्विंटल धान की खरीदी दिखाई गई थी, लेकिन जब मिलों को भेजने की बारी आई, तो 5,120 क्विंटल धान वास्तविक रूप से गायब मिला। इस कथित हेराफेरी से सरकारी खजाने को लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपए के वित्तीय नुकसान का अनुमान लगाया गया है।

### फर्जी रिकॉर्ड और छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

इस घोटाले के सिलसिले में किन्हवली पुलिस थाने में हरीश दरोडा सहित कुल छह लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। आरोपियों में आदिवासी विकास महामंडल के तत्कालीन प्रादेशिक प्रबंधक विजय गांगुर्डे और शहापुर के उप-प्रादेशिक प्रबंधक अविनाश राठोड भी शामिल थे। पुलिस का आरोप है कि इन लोगों ने किसानों के नाम पर फर्जी और बोगस रसीदें तैयार की थीं, ताकि बिना वास्तविक धान उपलब्ध हुए कागजों पर बड़ी खरीद दिखाई जा सके।

### हरीश दरोडा का पक्ष और बचाव का तर्क

अपनी गिरफ्तारी से पहले हरीश दरोडा ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया था। उन्होंने दावा किया था कि भात खरीदी की प्रक्रिया में उन्होंने कोई गैर-व्यवहार नहीं किया है। दरोडा का तर्क था कि साकडबाव केंद्र के प्रमुख जयराम सोगीर ने लिखित रूप में यह जिम्मेदारी ली थी कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर वे स्वयं जवाबदेह होंगे। उनका कहना था कि महामंडल के साथ सीधा अनुबंध सोगीर का था, न कि संस्था के अध्यक्ष के रूप में उनका।

### जेल प्रशासन पर सवाल और निष्पक्ष जांच की मांग

न्यायिक हिरासत में रहते हुए अचानक हुई इस मौत ने पूरे मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। जहां एक ओर पुलिस धान घोटाले की जांच कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन ने कैदी की मौत के कारणों की स्वतंत्र जांच करने का आश्वासन दिया है। इस घटना ने न केवल घोटाले की तह तक जाने की चुनौती खड़ी कर दी है, बल्कि जेलों में बंद कैदियों की स्वास्थ्य सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है।

# दावोस दौरा 100% सफल : सामंत

## कुल 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) के दौरे को शत-प्रतिशत सफल करार दिया है। उन्होंने घोषणा की कि इस वैश्विक मंच पर राज्य के लिए कुल 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते (MoUs) हुए हैं। इस विशाल निवेश के माध्यम से महाराष्ट्र में आने वाले समय में 40 से 42 लाख युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की प्रबल संभावना है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बूस्टर साबित होगा।

### निवेश समझौतों का विभागीय और संख्यात्मक विवरण

दौरे के दौरान कुल 51 महत्वपूर्ण समझौते किए गए हैं, जिन्हें विभिन्न विभागों के बीच विभाजित किया गया है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा MMRDA का है, जिसके तहत 29.43 लाख करोड़ रुपये के 24 समझौते हुए हैं। इसके अतिरिक्त, उद्योग विभाग ने 16.69 लाख करोड़ रुपये के और सिडको (CIDCO) ने लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये के 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि राज्य सरकार बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास दोनों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है।

### क्षेत्रीय विकास और विभिन्न उद्योगों पर फोकस

निवेश का वितरण राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया है, जिसमें MMR क्षेत्र को 23 लाख करोड़ रुपये और कोंकण को 3.10 लाख करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। इसके अलावा नागपुर, नाशिक, पुणे और छत्रपति संभाजीनगर जैसे शहरों में भी भारी निवेश होगा। यह निवेश केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, डिफेंस और फार्मा जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। साथ ही, रायगढ़-पेन ग्रोथ सेंटर के लिए भी एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रयास जारी हैं। डॉ. सामंत ने स्पष्ट किया कि दावोस में हुए कुल निवेश का औसतन 80 प्रतिशत हिस्सा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के रूप में आएगा। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि विदेशी निवेश आकर्षित करने में महाराष्ट्र देश का अग्रणी राज्य बना हुआ है। पिछले वर्ष के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने 1.64 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश दर्ज किया था, जो केंद्र सरकार के सर्वेक्षण में भी प्रमाणित हुआ है।

### परियोजनाओं का क्रियान्वयन और सरकारी स्पष्टीकरण

पिछली आलोचनाओं का उत्तर देते हुए मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष के 15 लाख करोड़ रुपये के समझौतों पर काम शुरू हो चुका है और गडचिरोली व रत्नागिरी जैसे जिलों में वास्तविक उद्योग स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बीडीपी प्रोजेक्ट के महाराष्ट्र से बाहर जाने की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि इसे रायगढ़ में ही स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि नकारात्मक राजनीति के बजाय राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल बनाए रखना चाहिए, क्योंकि किसी भी उद्योग को जमीन पर उतरने में 4-5 साल का समय लगता है।

# मध्य रेल पर 25 जनवरी को मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने रविवार, 25 जनवरी 2026 को उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक परिचालित करने का निर्णय लिया है। यह ब्लॉक मेन लाइन और हार्बर लाइन दोनों पर अलग-अलग समय के लिए लागू होगा। रेल प्रशासन के अनुसार, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और सुरक्षित रेल परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए यह नियमित रखरखाव प्रक्रिया आवश्यक है।

### मेन लाइन: माटुंगा-मुलुंड फास्ट ट्रैक पर असर

मेन लाइन पर माटुंगा और मुलुंड के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर सुबह 11.05 बजे से दोपहर 15.45 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से छूटने वाली डाउन फास्ट सेवाएं माटुंगा स्टेशन पर स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और अपने गंतव्य पर 15 मिनट की देरी से पहुंचेंगी। इसी तरह, ठाणे से आने वाली अप फास्ट ट्रेनों को मुलुंड से स्लो लाइन पर चलाया जाएगा और माटुंगा के बाद वे पुनः फास्ट लाइन पर वापस लौटेंगी।

### हार्बर लाइन: सीएसएमटी से चूनाभट्टी/बांद्रा के बीच सेवाएं निलंबित

हार्बर लाइन पर सीएसएमटी से चूनाभट्टी और बांद्रा के बीच ब्लॉक के कारण सेवाएं काफी प्रभावित रहेंगी। डाउन हार्बर लाइन (CSMT से वाशी/पनवेल/गोरेगांव) सुबह 11.40 से शाम 16.40 तक और अप हार्बर लाइन (पनवेल/गोरेगांव से CSMT) सुबह 11.10 से शाम 16.10 तक बंद रहेगी। इस अवधि के दौरान सीएसएमटी से हार्बर लाइन की सभी सेवाएं पूरी तरह से निलंबित रहेंगी, जिससे यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना होगा।

### यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था और विशेष ट्रेनें

ब्लॉक के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष प्रबंध किए हैं। पनवेल और कुर्ला (प्लेटफ़ॉर्म नंबर 8) के बीच हर 20 मिनट की फ़्रीक्वेंसी पर विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10.00 बजे से शाम 18.00 बजे तक अपने वैध टिकट पर मेन लाइन (सेंट्रल) और पश्चिम रेलवे के माध्यम से यात्रा करने की विशेष अनुमति दी गई है।

# मुंबई में 10 प्रतिशत पानी की कटौती की घोषणा

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने शुक्रवार को मुंबईवासियों के लिए पानी की कटौती की आधिकारिक घोषणा की है। शहर और पूर्वी उपनगरों के कई हिस्सों में रहने वाले लोगों को आने वाले दिनों में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। बीएमसी के अनुसार, जलापूर्ति प्रणाली में आवश्यक सुधार और रखरखाव कार्यों के कारण सामान्य आपूर्ति में 10 प्रतिशत की कटौती लागू की जाएगी।

इस कटौती का मुख्य कारण ठाणे जिले के पीसे (Pise) में स्थित न्यूमेटिक गेट सिस्टम का वार्षिक रखरखाव कार्य है। यह सिस्टम मुंबई को पानी सप्लाई करने वाली व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नगर निगम ने बताया कि सिस्टम की कार्यक्षमता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह वार्षिक मेंटेनेंस अनिवार्य है, जिसके चलते पंपिंग और सप्लाई की क्षमता अस्थायी रूप से कम हो जाएगी।

### कटौती की अवधि: 27 जनवरी से 7 फरवरी

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पानी की यह कटौती 27 जनवरी से शुरू होकर 7 फरवरी तक प्रभावी रहेगी। इन 10-12 दिनों की अवधि के दौरान संबंधित क्षेत्रों में पानी का दबाव कम रह सकता है। बीएमसी ने स्पष्ट किया है कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही जलापूर्ति को पुनः सामान्य स्तर पर बहाल कर दिया जाएगा।

रखरखाव कार्य का प्रभाव व्यापक होगा। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के अधिकांश वार्डों और पूर्वी उपनगरों के साथ-साथ ठाणे और भिवंडी नगर निगम के कुछ हिस्सों में भी पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। चूंकि पीसे स्टेशन से इन सभी क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर पानी भेजा जाता है, इसलिए इन इलाकों के निवासियों को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

# महाराष्ट्र के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट

**मुंबई/पुणे।** महाराष्ट्र में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने राज्य के सात जिलों में बेमौसम बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। बादलों की बढ़ती मौजूदगी के कारण जहां उमस में इजाफा होने की संभावना है, वहीं कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का भी पूर्वानुमान जताया गया है। जनवरी में आमतौर पर ठंड का असर रहता है, लेकिन इस बार तापमान में बढ़ोतरी से स्थिति उलट नजर आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में ठंड की तीव्रता कम हो गई है और तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। पुणे में हाल के दिनों में न्यूनतम तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि अधिकतम तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। इसके चलते शहर में ठंड का असर कम हुआ है और उमस बढ़ गई है।

# जिला परिषद चुनावों के लिए कांग्रेस के 40 स्टार प्रचारकों की घोषणा

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य में होने वाले 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समिति चुनावों के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। इन महत्वपूर्ण स्थानीय चुनावों में अपनी पकड़ मजबूत करने और मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचने के लिए पार्टी ने अपने सबसे प्रभावशाली चेहरों को मैदान में उतारा है।

### प्रमुख नेताओं और दिग्गजों की भागीदारी

इस सूची में कांग्रेस के कई दिग्गज और अनुभवी नाम शामिल हैं। स्टार प्रचारकों में महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला, प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, और विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार प्रमुख हैं। इनके साथ ही सांसद छत्रपति शाहू महाराज, सतेज (बंटी) पाटिल, मुकुल वासनिक, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, और बालासाहेब थोरात जैसे वरिष्ठ नेता भी प्रचार की कमान संभालेंगे। पार्टी ने क्षेत्रीय संतुलन और अनुभव को प्राथमिकता देते हुए रजनीताई पाटिल, माणिकराव ठाकरे, नाना पटोले और इमरान प्रतापगढ़ी जैसे नेताओं को भी इस सूची में स्थान दिया है।

### युवा और विविध प्रतिनिधित्व पर जोर

कांग्रेस ने अपने प्रचार अभियान को समावेशी बनाने के लिए युवाओं और विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया है। सूची में चंद्रकांत हंडोरे, नसीम खान, यशोमती ठाकुर, प्रणीति शिंदे, और अमित देशमुख जैसे प्रमुख नाम हैं। साथ ही, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवराज मोरे, एनएसयूआई के सागर सालुंखे और महिला कांग्रेस की संध्याताई सव्वालाखे जैसे संगठनात्मक नेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी का लक्ष्य इन 40 प्रचारकों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अपनी विचारधारा को मजबूती से पहुंचाना है।

## एल्गार परिषद-माओवाद संबंध मामला

# दो और आरोपियों को कोर्ट ने दी जमानत

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

साल 2018 के एल्गार परिषद मामले में आरोपी बनाए गए सांस्कृतिक कलाकार सागर गोरखे और रमेश गाइचोर को शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति एस.सी. चांडक की खंडपीठ ने दोनों को जमानत देने का आदेश सुनाया। 'कबीर कला मंच' से जुड़े इन दोनों कलाकारों को अदालत ने समानता (Parity) के आधार पर रिहा करने का फैसला किया है, क्योंकि इसी मामले के अन्य आरोपियों को पहले ही राहत मिल चुकी है।

हाईकोर्ट ने यह फैसला फरवरी 2022 में मुंबई की विशेष एनआईए अदालत द्वारा उनकी जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनाया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके और जमानतदार की शर्त पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, उन्हें हर महीने के पहले सोमवार को एनआईए के मुंबई कार्यालय में अनिवार्य रूप से हाजिर होना होगा।

### यूएपीए के तहत आरोप और जमानत की शर्तें

एल्गार परिषद मामले के सभी आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन पर प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) से कथित संबंध रखने का संदेह है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि गोरखे और गाइचोर पर वही शर्तें लगाई गई हैं, जो हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हैनी बाबू को जमानत देते समय तय की गई थीं। कोर्ट का विस्तृत लिखित आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा। सागर गोरखे और रमेश गाइचोर पिछले चार साल से अधिक समय से जेल में बंद थे।

### आठ साल बाद भी ट्रायल का इंतजार

घटना के आठ साल बीत जाने के बावजूद अब तक ट्रायल (मुकदमा) शुरू नहीं हुआ है। सागर और रमेश की रिहाई के बाद, अब इस पूरे मामले में केवल एक आरोपी, एक्टिविस्ट सुरेंद्र गाडलिंग ही जेल में बंद हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सुनवाई में हो रही अत्यधिक देरी भी उच्च न्यायालय द्वारा आरोपियों को जमानत दिए जाने का एक प्रमुख तकनीकी आधार रही है।

**मध्य रेल**
सोलापुर मंडल
ई-प्रोक्योरमेंट

संख्या SUR/Sr.DMM/T.No.96255853
दिनाक: 22.01.2026 ई-टेंडर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल स्टोर कार्यालय मध्य रेलवे, सोलापुर, निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। 01. टेंडर नंबर:- 96255853, 02. विवरण:- संलग्न अनुलग्नक-ए में विनिर्देशों के अनुसार हल्के वजन के लिथियम बैटरी टैपिंग मशीन के एक सेट की सप्लाई, इनस्टॉलेशन और कमिशन करना, जिसमें 2 टैपर शामिल हैं। (8 बैटरियां, 4 चार्जर, 4 टैपिंग टूल, 2 परिवहन ट्रॉली सहित), 03. मात्रा:- 29 Set., 04. बयाना राशि (INR):- Rs. 468130.00, www.ireps.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:- 09.02.2026 11:30 बजे के बाद, संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर बार-बार विजिट करते रहें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दिया जा सके। वेबसाइट: www.ireps.gov.in.

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक
08 सोलापूर

टिकट के लिए RailOne App डाउनलोड करे

**मध्य रेल**
सोलापुर मंडल
सिगनल एवं दूरसंचार कार्य

ई-निविदा सूचना (Re-Invitation)
निविदा सूचना संख्या: सोला-एन-टी-2025-26-40 दिनांक:- 22.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी.आर.एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: क्र सं.:- 1., काम का नाम:- मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन में विभिन्न माल गोदामों और वैजिंग रूम के विकास के लिए FOIS नेटवर्क सहित दूरसंचार सुविधा का प्रावधान / स्थानांतरण करना।, निविदा संख्या:- सोला-एन-टी-2025-26-40, कार्य की अनुमानित लागत:- Rs.1,22,45,668.66, टेंडर फॉर्म की कीमत:- NIL, जमा की जाने वाली धरोहर राशि:- Rs.2,11,200.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि:- 8 महीने, निविदा बंद होने का समय एंव दिनांक www.ireps.gov.in पर 16.02.2026 at 15.30 Hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, कैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे www.ireps.gov.in पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियों जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, सिगनल एवं दूरसंचार
10 सोलापूर

टिकट के लिए RailOne App डाउनलोड करे

**झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई**

जा. क्र. SRA/CO/OW/2026/3583
दिनांक: 23/01/2026

- : सर्वसाधारण सभा की सूचना : -

(नियो.) कुलाबा रहिवाशी गृहनिर्माण महासंघ, सी.एस.क्र. 1984 (पार्ट), प्लॉट क्र. 143 (पार्ट), 146 (पार्ट), ब्लॉक III और IV, बैकबे रिक्लेमेशन योजना, कप्तान प्रकाश पोठे मार्ग, काफ़ परेड, मुंबई में पात्र झोपड़ीधारकों की सर्वसाधारण सभा आयोजित करने हेतु मा. सहायक निबंधक, सहकारी संस्था, मुंबई शहर, झो.पु.प्रा., मुंबई द्वारा दिनांक 23/01/2026 के पत्रानुसार मुझे प्राधिकृत अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अनुसार, (नियो.) कुलाबा रहिवाशी गृहनिर्माण महासंघ की मंजूर परि-2 एवं पुरवणी-2 में शामिल 34 पात्र झोपड़ीधारकों की सर्वसाधारण सभा निम्नलिखित विवरणानुसार आयोजित की गई है: **तारीख: रविवार, 08/02/2026 समय: सुबह 11.00 बजे स्थल: ऋणानुबंध हॉल, यशवंतराव चव्हाण सेंटर,** जनरल जगन्नाथ भोसले रोड, नरिमन पॉइंट, मुंबई-21 सभी पात्र झोपड़ीधारकों से अनुरोध है कि वे अपना वैध पहचान पत्र लेकर उपस्थित रहें।

**सभा के विषय:**

संस्थे के नए विकासक और वास्तुविशारद की चयन प्रक्रिया।

दिनांक: 23/01/2026 सही/-
स्थानः बृहन्मुंबई विरधवल जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी, तथा सहकारी अधिकारी,श्रेणी-2
झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई

सूचनाः १. पुनर्वसन योजना के लिए इच्छुक विकासक और वास्तुविशारद के प्रस्ताव पात्र झोपड़ीधारकों द्वारा बहुमत के आधार पर प्रस्तुत किए जाएंगे। प्रस्ताव सभा से 4 दिन पूर्व, यानी 04/02/2026 तक प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर जमा किए जाएँ। इसके बाद प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

२. सभा में प्रत्येक पात्र झोपड़ीधारक पती/पत्नी में से केवल एक व्यक्ति ही उपस्थित हो सकता है। अन्य रिश्तेदार या प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हो सकते।

३.पात्र झोपड़ीधारकों को स्वयं की पहचान साबित करने वाला पहचान पत्र (आधार कार्ड / पैन कार्ड / निर्वाचन पहचान पत्र आदि) लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है।

४. सभा में प्रवेश केवल पहचान पत्र दिखाने, उपस्थिती रजिस्टर में हस्ताक्षर करने और बायोमेट्रिक पद्धति से उपस्थिती दर्ज कराने के बाद ही मिलेगा।

५. सभा के कार्यों का व्हिडियो रिकॉर्डिंग प्राधिकृत अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

**बृहन्मुंबई महानगरपालिका**

जोबनपुत्रा कंपाउंड, नानाचौक, मुंबई – 400 007
क्रमांकः ACD/995 / सहा. अभियंता (घ.क.व्य.) / डी दिनांकः 23.01.2026

**रुचि अभिव्यक्ति / कोटेशन सूचना**

सहायक अभियंता (घन कचरा प्रबंधन – SWM), 'डी' प्रभाग, जोबनपुत्रा कंपाउंड, नानाचौक, मुंबई – 400 007 की ओर से सीलबंद कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं, विषय निम्नानुसार हैः "डी-प्रभाग के झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में 'स्वच्छ मुंबई प्रबोधन अभियान (SMPA)' योजना के अंतर्गत स्वयंसेवकों की आपूर्ति करना।"

खाली EOI / कोटेशन प्रपत्र सहायक अभियंता (SWM), 'डी' प्रभाग कार्यालय से दिनांक 24.01.2026 से 30.01.2026 तक, प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 11.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं।

मोम-सील (Wax Sealed) किया हुआ EOI / कोटेशन दिनांक 30.01.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक सहायक अभियंता (SWM), 'डी' प्रभाग कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए।

प्राप्त कोटेशन उसी दिन शाम 4.00 बजे खोले जाएंगे। डी-प्रभाग में समान प्रकार के सफाई कार्य में कार्यरत संस्थाओं / व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी। कोटेशन दस्तावेज डाक द्वारा नहीं भेजे जाएंगे।

पीआरओ/ 2769 / विज्ञा./ 2025-26

हस्ता/-
सहायक अभियंता (SWM), 'डी' प्रभाग

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

ट्रेन नंबर 22962/22961

अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद
वंदे भारत एक्सप्रेस

में अस्थाई तौर पर चार अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे और यह 26.01.2026 से 07.03.2026 तक 20 कोच रेक के साथ चलेगी।

स्टॉप और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें और हमें फालो करें:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

संपादकीय

# धर्मदंड की मर्यादा और राजनीति की विषबेल

कुंभ के पावन प्रांगण में जगद्गुरु शंकराचार्य के साथ हुई बदसलूकी न केवल निंदनीय है, बल्कि यह हमारी सामूहिक सांस्कृतिक चेतना के पतन का एक गहरा संकेत भी है। जिस पद की स्थापना आदि शंकराचार्य ने राष्ट्र को आध्यात्मिक और वैचारिक सूत्र में पिरोने के लिए की थी, उस पद के धारक के साथ प्रशासनिक स्तर पर धक्का-मुक्की या किसी भी प्रकार की अभद्रता होना अक्षम्य है। यह घटना इस कड़वे सच को उजागर करती है कि आधुनिक व्यवस्था के भीतर अब 'श्रद्धा' और 'संस्कार' का स्थान केवल यांत्रिक 'प्रोटोकॉल' ने ले लिया है। एक लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक राष्ट्र में, जहाँ ज्ञान की पूजा की परंपरा रही है, वहाँ विद्वत्ता के शिखर पुरुष के साथ ऐसा व्यवहार समाज के नैतिक दिवालियेपन को दर्शाता है। हम इस कृत्य की कठोरतम शब्दों में भर्त्सना करते हैं, क्योंकि जब कोई समाज अपने सर्वोच्च पथ-प्रदर्शकों का सम्मान सुरक्षित नहीं रख पाता, तो वह अपनी ऐतिहासिक जड़ें और भविष्य की दिशा, दोनों खोने लगता है। हालांकि, इस विवाद के बीच एक अत्यंत गंभीर और कड़वा पक्ष यह भी है कि वर्तमान में संत परंपरा का एक बड़ा हिस्सा अपनी मूल मर्यादा से भटककर राजनीति के मोहजाल में फंस गया है। आज कुंभ के मेलों से लेकर टीवी बहसों तक, संतों का एक वर्ग जिस तरह राजनीतिक खेमों में विभाजित नजर आता है, वह सनातन धर्म के भविष्य के लिए चिंताजनक है। संतों का स्थान सत्ता के गलियारों, चुनावी रैलियों या राजनीतिक दल के मंचों पर नहीं, बल्कि समाज के नैतिक उत्थान और लोक-कल्याण के मार्ग पर होना चाहिए। जब भगवा वस्त्र धारी किसी राजनीतिक दल के प्रवक्ता की तरह भाषा बोलने लगते हैं या सत्ता के पक्ष या विपक्ष में ढाल बनकर खड़े होते हैं, तो वे अपनी उस आध्यात्मिक तटस्थता को दांव पर लगा देते हैं, जो उन्हें समाज में 'सर्वमान्य' और 'पूजनीय' बनाती है। संत का पद दलीय सीमाओं से ऊपर होता है, लेकिन राजनीति में उतरते ही वे स्वयं को एक पक्ष तक सीमित कर लेते हैं। शास्त्रों के अनुसार, संतों का मूल उत्तरदायित्व समाज को धर्म, नैतिकता और सदाचार का मार्ग दिखाना है, न कि सत्ता के समीकरणों को सुलझाना या सत्ताधारियों के लिए चुनावी जमीन तैयार करना। राजनीति का मूल स्वभाव ही 'विभाजन', 'दांव-पेच' और 'व्यक्तिगत स्वार्थ' है, जबकि वास्तविक धर्म का स्वभाव 'एकता', 'करुणा' और 'परमार्थ' है। जो भी संत आज सत्ता के अति-निकट होकर उसके 'यशोगान' में लगे हैं, वे उतने ही गलत हैं जितने वे संत जो केवल 'विपक्ष' की राजनीति करने के लिए अपने धर्मदंड का उपयोग कर रहे हैं। सत्ता के प्रति यह अतिशय अनुराग या विरोध, दोनों ही संन्यास की मूल भावना के विरुद्ध हैं। जब संत राजनीति के अखाड़े में उतरकर कीचड़ उछालने की प्रक्रिया का हिस्सा बनते हैं, तो वे अपनी उस गरिमा को स्वतः ही खो देते हैं जहाँ प्राचीन काल में बड़े-बड़े चक्रवर्ती सम्राट भी उनके सम्मुख नतमस्तक होकर केवल मार्गदर्शन की याचना करते थे। अतः, यह समय संपूर्ण हिंदू समाज और विशेषकर संत समाज के लिए गहरे आत्ममंथन का है। प्रशासन को जहाँ अपनी मर्यादा समझनी होगी और महापुरुषों के प्रति अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा, वहीं संतों को भी यह समझना होगा कि उनकी वास्तविक शक्ति उनके 'त्याग' और 'शास्त्र-बोध' में है, न कि किसी 'राजनीतिक रसूख' या सरकारी संरक्षण में। संतों को राजनीति की संकरी गलियों से बाहर निकलकर वापस धर्म और अध्यात्म की अनंत ऊंचाइयों की बात करनी चाहिए। जब संत निर्लिप्त और निष्पक्ष होकर सत्य का मार्ग दिखाएंगे, तभी समाज उन्हें वह पलकों पर बिठाएगा और सत्ता उनकी अनदेखी करने का दुस्साहस नहीं कर पाएगी।

# महाराष्ट्र की राजनीति के धुरंधर बनकर उभरे फडणवीस

आचार्य पवन त्रिपाठी
कोषाध्यक्ष, श्री सिद्धिविनायक मंदिर
मुंबई महामंत्री, मुंबई भाजपा

> महाराष्ट्र की महानगरपालिकाओं में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अभूतपूर्व जीत ने एक बार फिर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की विकास की राजनीति एवं उनके राजनीतिक चातुर्य का डंका बजा दिया है और वह एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति के धुरंधर बनकर उभरे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा को मिली जीत केवल सत्ता परिवर्तन का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह राज्य की सामाजिक-राजनीतिक संरचना में आए एक गहरे बदलाव का संकेत भी है। 2026 के नगर निकाय चुनावों के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा अब महाराष्ट्र में केवल एक सहयोगी दल नहीं, बल्कि राजनीति की धुरी बन चुकी है।

दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति, विशेष रूप से मुंबई और ठाणे जैसे शहरी केंद्रों में 'भूमिपुत्र' और 'मराठी अस्मिता' जैसे भावनात्मक मुद्दों पर केंद्रित रही है। भाजपा ने इस पारंपरिक विमर्श को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सर्वसमावेशी विकास' और 'हिंदुत्व' के मिश्रण से ध्वस्त कर दिया है। मुख्यमंत्री फडणवीस महानगरपालिका चुनावों के दौरान अपने भाषणों का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अपने कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को गिनाने एवं भविष्य में होनेवाले कार्यों की जानकारी देने में खर्च करते थे। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) जैसे प्रमुख शहरी निकायों में भाजपा की जीत यह दर्शाती है कि शहरी और मध्यमवर्गीय मतदाताओं ने भावनात्मक या क्षेत्रीय मुद्दों के बजाय मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों पर ज्यादा भरोसा किया है। अब मतदाता बेहतर बुनियादी ढांचे, कुशल सार्वजनिक सेवाओं, पारदर्शी प्रशासन और वैश्विक मानकों वाली नागरिक सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान देते दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रमुख चुनावी नारा 'ट्रिपल इंजन सरकार' (केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय में एक ही दल/गठबंधन) रहा है। इस अवधारणा के पीछे तर्क यह है कि तीनों स्तरों पर सत्ता में एक ही दल होने से विकास परियोजनाओं के निष्पादन में समन्वय बढ़ेगा और प्रशासनिक दक्षता में सुधार होगा। राज्य की अधिसंख्य महानगरपालिकाओं पर भाजपा या भाजपानीत महायुति के नियंत्रण का सीधा अर्थ होगा, राज्य के कुल बजटीय संसाधनों के एक महत्वपूर्ण हिस्से पर नियंत्रण। महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं का संयुक्त बजट कई छोटे भारतीय राज्यों को मिलाकर उनके कुल बजट से अधिक होता है। भाजपा अब इन विशाल संसाधनों का उपयोग अपनी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास एजेंडे को सीधे जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए कर सकती है। इस सीधे हस्तक्षेप से न केवल परियोजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन संभव होगा, बल्कि भाजपा का स्थानीय स्तर पर सीधा संपर्क बढ़ेगा और उसका वोट बैंक और अधिक मजबूत होगा। हालिया चुनावी सफलताओं का श्रेय महाराष्ट्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस की रणनीतिक कुशलता और सूक्ष्म-प्रबंधन (माइक्रो मैनेजमेंट) को जाता है। उन्होंने न केवल अपनी पार्टी के लिए जीत सुनिश्चित की, बल्कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन को भी सफलतापूर्वक संभाला। इन सफलताओं ने भाजपा के भीतर देवेंद्र फडणवीस की स्थिति को निर्विवाद रूप से मजबूत किया है। उनकी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल ने केंद्रीय नेतृत्व के सामने उनकी साख को और बढ़ाया है। यह परिणाम इस बात का भी संकेत है कि भविष्य में, भाजपा राज्य में किसी भी

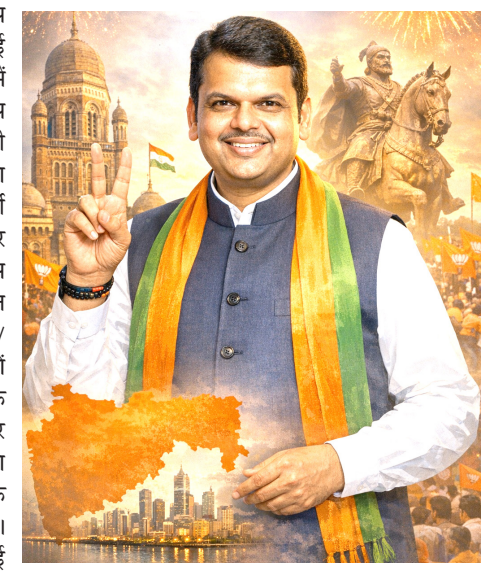

गठबंधन का नेतृत्व एक प्रमुख या 'बड़े भाई' की भूमिका में ही करेगी। फडणवीस का नेतृत्व भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति साबित हुआ है, और उनकी बढ़ती राजनीतिक ताकत महाराष्ट्र में पार्टी के भविष्य को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फडणवीस के नेतृत्व में महानगरपालिकाओं में जीत का मतलब है महाराष्ट्र की लगभग आधी आबादी तक भाजपा की सीधी पहुँच। भाजपा ने शहरी युवाओं, पेशेवर वर्गों और प्रवासियों के बीच अपनी पैठ मजबूत की है। महानगर निगमों के माध्यम से लागू किए जाने वाले प्रमुख विकास कार्य, जैसे कि मेट्रो रेल परियोजनाएं, तटीय सड़कें, स्मार्ट सिटी पहल और अन्य शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, भाजपा को एक 'विकास-समर्थक' और आधुनिक पार्टी के रूप में स्थापित करती हैं। इस शहरी केंद्रित विकास के नैरेटिव का लाभ भाजपा को ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी मिल सकता है, क्योंकि शहरी विकास अक्सर आसपास के क्षेत्रों को भी प्रभावित करता है। भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान पिछली सरकारों और नगर निकायों में व्याप्त कथित 'कमीशन राज' और भ्रष्टाचार को एक प्रमुख मुद्दा बनाया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मतदाताओं को यह आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व में एक पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान किया जाएगा। अब ज्यादातर नगर निकायों में सत्ता प्राप्त करने के बाद भाजपा पर यह सिद्ध करने की जिम्मेदारी है कि वह वास्तव में पारदर्शिता और जवाबदेही ला सकती है। यदि भाजपा शहरी शासन में महत्वपूर्ण सुधार लाने और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सफल रहती है, तो यह उसके लिए 2029 के विधानसभा चुनावों का 'प्रवेश द्वार' साबित हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं महाराष्ट्र में अपने युवा नेता देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने अपने सामाजिक आधार का सफलतापूर्वक विस्तार किया है। पार्टी ने अब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मराठा समुदायों में भी अपनी पैठ मजबूत की है, जो महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण मतदाता समूह हैं। नगर निगम चुनावों में, भाजपा ने विभिन्न जातियों और समुदायों के उम्मीदवारों को टिकट वितरण में प्रतिनिधित्व दिया। इस 'सोशल इंजीनियरिंग' रणनीति से स्थानीय स्तर पर नए नेतृत्व का उदय हो रहा है, जो अपने समुदायों में पार्टी के लिए समर्थन जुटा सकते हैं। यह विस्तार भाजपा को भविष्य में अन्य दलों के पारंपरिक जातीय वोट बैंकों में सेंध लगाने में मदद करेगा। वास्तव में महाराष्ट्र की महानगरपालिकाओं में भाजपा का वर्तमान प्रभुत्व केवल एक चुनावी जीत से कहीं अधिक है। इसने राज्य की राजनीति में एक मौलिक राजनीतिक पुनर्गठन का रास्ता खोल दिया है। इसने महाराष्ट्र की राजनीति के पारंपरिक 'पावर सेंटर्स' को चुनौती दी है और एक नई राजनीतिक गतिशीलता स्थापित की है। भविष्य में इसका सबसे बड़ा प्रभाव यह होगा कि राज्य की राजनीति 'गठबंधन की मजबूरी' और खंडित जनादेश के युग से निकलकर 'एकदलीय प्रभुत्व' या एक प्रमुख गठबंधन के वर्चस्व की ओर बढ़ सकती है।

जीवन मंत्र

# आंतरिक उजाले की शक्ति

**प्रकाश से प्राप्त ऊर्जा केवल शारीरिक नहीं होती, वह मानसिक और आत्मिक भी होती है। सकारात्मक विचार, विश्वास और आशा इसी ऊर्जा के रूप हैं। जिस व्यक्ति के भीतर प्रकाश होता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी टूटता नहीं, बल्कि उनसे सीख लेकर आगे बढ़ता है।**

प्रकाश केवल आंखों से दिखाई देने वाला उजाला नहीं है, बल्कि वह जीवन की मूल ऊर्जा है। जहां प्रकाश है, वहां गति है, चेतना है और विकास की संभावना है। सूर्य का प्रकाश धरती पर जीवन का आधार है। उसी प्रकाश से अन्न उपजता है, जलचक्र चलता है और प्राणवायु शुद्ध होती है। अंधकार जड़ता का प्रतीक है, जबकि प्रकाश सक्रियता और जागरण का संकेत देता है। मनुष्य का जीवन भी इसी नियम से संचालित होता है। जब जीवन में प्रकाश होता है, तब विचार स्पष्ट होते हैं और कर्म में दिशा आती है। प्रकृति में प्रकाश ऊर्जा का प्रत्यक्ष स्रोत है, पर मानव जीवन में प्रकाश का अर्थ और भी व्यापक है। यह प्रकाश ज्ञान का हो सकता है, विवेक का हो सकता है और सत्य का भी। अज्ञान का अंधकार मनुष्य को भय, भ्रम और मोह में बांध देता है। जैसे ही ज्ञान का प्रकाश भीतर प्रवेश करता है, भीतर जमी गांठें स्वतः ढीली पड़ने लगती हैं। तब व्यक्ति बाहरी परिस्थितियों का दास नहीं

रहता, बल्कि स्वयं अपने जीवन का मार्गदर्शक बनता है। यही आंतरिक प्रकाश जीवन ऊर्जा का सबसे शुद्ध रूप है। प्रकाश से प्राप्त ऊर्जा केवल शारीरिक नहीं होती, वह मानसिक और आत्मिक भी होती है। सकारात्मक विचार, विश्वास और आशा इसी ऊर्जा के रूप हैं। जिस व्यक्ति के भीतर प्रकाश होता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी टूटता नहीं, बल्कि उनसे सीख लेकर आगे बढ़ता है। उसके शब्दों में बल होता है और उसके कर्मों में स्थिरता। वह स्वयं तो ऊर्जावान रहता ही है, अपने आसपास के वातावरण को भी आलोकित करता है। आज के समय में जीवन की थकान और तनाव का बड़ा कारण आंतरिक अंधकार है। बाहरी साधन बढ़ गए हैं, पर भीतर का प्रकाश कम होता जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर ज्ञान, करुणा और विवेक का दीपक जलाएं। यही प्रकाश जीवन ऊर्जा बनकर हमें स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन की ओर ले जाता है।

शख्सियत | होमी भाभा

# आधुनिक भारत के परमाणु स्वप्नद्दष्टा और एक अधूरा

**आज का दिन भारत के वैज्ञानिक इतिहास के उस पन्ने को पलटने का है, जहाँ गर्व और शोक की भावनाएं एक साथ उमड़ती हैं। 24 जनवरी का दिन हमें उस महान विभूति की याद दिलाता है, जिसने पराधीनता की बेड़ियों से निकले एक नवजात राष्ट्र को 'परमाणु शक्ति' बनने का आत्मविश्वास दिया।**

डॉ. होमी जहांगीर भाभा—एक ऐसा नाम, जो न केवल विज्ञान की प्रयोगशालाओं में गूँजता है, बल्कि भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता का पर्याय भी है।
30 अक्टूबर 1909 को जन्मे होमी भाभा के भीतर कला और विज्ञान का अद्भुत संगम था। कैम्ब्रिज में भौतिकी के जटिल सूत्रों को सुलझाते हुए जब उन्होंने 'कॉस्मिक रेडिएशन' पर अपना काम शुरू किया, तो दुनिया ने एक चमकता हुआ सितारा देखा। भाभा का जीवन दर्शन अत्यंत व्यापक और मानवीय था। वे विज्ञान को केवल मशीनों या समीकरणों का जरिया नहीं, बल्कि मानवता के उत्थान और राष्ट्र की अस्मिता का मार्ग मानते थे। उनका मानना था कि एक वैज्ञानिक को केवल अपनी प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे कला, संगीत और संस्कृति के प्रति भी उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। वे स्वयं एक उत्कृष्ट चित्रकार और पाश्चात्य शास्त्रीय संगीत के पारखी थे। यही कारण था कि उन्होंने अपने संस्थानों को केवल कंक्रीट की इमारतें नहीं बनाया, बल्कि उन्हें सुंदर उद्यानों और कलाकृतियों से सजाया। उनका दर्शन था कि ₹एक सुंदर वातावरण ही सुंदर विचारों को जन्म देता है। भाभा की सफलता के पीछे उनकी और तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की अटूट मित्रता और साझा विजन का बड़ा हाथ था। नेहरू और भाभा के बीच का संबंध केवल एक राजनेता और एक वैज्ञानिक का नहीं था, बल्कि दो ऐसे दूरदर्शी मित्रों का था जो एक आधुनिक और वैज्ञानिक भारत की कल्पना करते थे। नेहरू ने भाभा पर अटूट भरोसा जताया और उन्हें परमाणु कार्यक्रम के लिए पूरी स्वतंत्रता दी। इसी भरोसे के फलस्वरूप 1948 में परमाणु ऊर्जा आयोग का गठन हुआ। भाभा ने नेहरू को विश्वास दिलाया था कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए कभी भी विदेशी शक्तियों का गुलाम नहीं बनेगा। इन दोनों महापुरुषों की जुगलबंदी ने ही भारत को अंतरिक्ष और परमाणु अनुसंधान के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया। भाभा की सबसे बड़ी शक्ति उनकी 'स्वदेशी सोच' थी। उन्होंने उस दौर में 'तीन चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम' की रूपरेखा तैयार की, जब दुनिया भारत को केवल एक पिछड़ा कृषि प्रधान देश मानती थी। उन्होंने भारत में उपलब्ध थोरियम के विशाल भंडारों की महत्ता को पहचाना और एक ऐसी 'वैज्ञानिक सेना' तैयार की, जिसे बाहर से किसी बैसाखी की जरूरत न पड़े। उनके प्रयासों का ही परिणाम था कि 1954 में ट्रॉम्बे में परमाणु ऊर्जा संस्थान खड़ा हुआ। वे अक्सर कहते थे कि ₹जब एक बार ज्ञान का भंडार हमारे पास होगा, तो संसाधन खुद-ब-खुद हमारे पीछे आएंगे। लेकिन इतिहास की विडंबना देखिए कि जिस वैज्ञानिक ने भारत को सुरक्षित भविष्य का सपना दिया, उनका अपना सफर 24 जनवरी 1966 को अत्यंत दुखद और रहस्यमयी परिस्थितियों में समाप्त हो गया। एयर इंडिया का विमान 'कंचनजंगा' आल्प्स की पहाड़ियों में माउंट ब्लैंक के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया और भारत ने अपने अनमोल रत्न को खो दिया। भाभा की यह मृत्यु आज भी एक अनसुलझा सवाल है।

जीवन ऊर्जा

जननायक कर्पूरी ठाकुर : जन्म 24 जनवरी 1924 | जन्म

# शिक्षा से गरीबी की जंजीरें काटी जा सकती हैं

**जननायक कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी 1924 को बिहार के समस्तीपुर जिले के पितौंझा (वर्तमान में कर्पूरी ग्राम) में एक अत्यंत साधारण नाई परिवार में हुआ था। ग्रामीण परिवेश और अभावों के बीच पले-बढ़े कर्पूरी जी ने बचपन से ही समाज में व्याप्त ऊंच-नीच और भेदभाव को करीब से देखा था।**

अधिकार मांगो नहीं, उसे छीन लो क्योंकि संसद के विशेषाधिकारों को आम जनता के अधिकारों के सामने झुकना होगा और जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सशक्त नहीं होता, लोकतंत्र अधूरा है। पिछड़ों को हक देना कोई दया नहीं, बल्कि समाज का कर्ज उतारना है क्योंकि जिस समाज में विषमता होगी, वहां संघर्ष अवश्यंभावी है। आरक्षण कोई खैरात नहीं, यह सामाजिक भागीदारी का रास्ता है और दलितों एवं पिछड़ों के उत्थान के बिना भारत का सर्वांगीण विकास असंभव है। व्यवस्था को बदलने के लिए सत्ता के गलियारों में पिछड़ों की गूँज जरूरी है क्योंकि हम केवल सत्ता नहीं चाहते, हम उस सत्ता के जरिए सामाजिक क्रांति चाहते हैं। यदि जनता जागरूक हो जाए, तो कोई भी तानाशाह टिक नहीं सकता क्योंकि सत्ता सेवा का साधन है, सुख भोगने का केंद्र नहीं। ईमानदारी ही राजनीति की सबसे बड़ी पूंजी है और पद आते-जाते रहेंगे, लेकिन आपकी सादगी ही आपकी असली पहचान है। सरकारी पैसे का एक-एक

पैसा गरीब की अमानत है और राजनीति में नैतिकता का अभाव समाज के पतन का कारण बनता है। जो नेता जनता की पीड़ा महसूस नहीं कर सकता, वह नेता कहलाने के लायक नहीं क्योंकि मेरा जीवन एक खुली किताब है, जिसमें केवल गरीबों के संघर्ष की कहानी है और सादगी ही संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत है। शिक्षा वह हथियार है जिससे गरीबी की जंजीरें काटी जा सकती हैं और अपनी मातृभाषा में शिक्षा पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। अंग्रेजी की अनिवार्यता गरीबों के बच्चों के विकास में सबसे बड़ी बाधा है और ज्ञान तभी सार्थक है जब वह समाज के काम आए। स्कूलों को केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का केंद्र होना चाहिए ताकि संसद हो या विधानसभा, हर जगह पिछड़ों की हिस्सेदारी हो। सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है; इसलिए उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक सामाजिक न्याय प्राप्त न हो जाए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# श्रद्धा और विवेक का प्रकाश

मनुष्य के अन्तःकरण में मोह का अन्धकार छाया रहता है और उसी अन्धकार में एक गांठ पड़ जाती है, जो जीवन की दिशा को उलझा देती है। यह गांठ बाहर से नहीं, भीतर से बंधी होती है, इसलिए इसे बल या तर्क से नहीं खोला जा सकता। इसे खोलने के लिए प्रकाश चाहिए और यह प्रकाश है ज्ञान का दीपक। लेकिन दीपक तभी जलता है जब उसमें घृत हो, और घृत दूध से प्राप्त होता है। ठीक इसी प्रकार ज्ञान का दीपक भी तभी प्रज्वलित होता है, जब उसके मूल में श्रद्धा हो। श्रद्धा वह आधार है, जिस पर साधना खड़ी होती है। इस श्रद्धा की गाय को जप, तप, यम-नियम और सत्कर्म का चारा देना पड़ता है। पर ध्यान रहे, यह चारा केवल दिखावे का न हो, बल्कि सात्त्विक हो, क्योंकि हरा चारा ही गाय को प्रसन्न करता है और दूध की वृद्धि करता है। आज का यथार्थ यह है कि असंख्य लोग जप-तप करते हैं, पूजा-पाठ करते हैं, व्रत और अनुष्ठान निभाते हैं, फिर भी बहुत कम लोगों में तत्त्वज्ञान का उदय होता है। प्रश्न उठता है कि ऐसा क्यों? इसका उत्तर यही है कि महत्व केवल सत्कर्म का नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपे उद्देश्य का है। जप अपने आप में कोई जादू नहीं है, बल्कि जप के माध्यम से साधक क्या चाहता है, वही उसका वास्तविक मूल्य तय करता है। अधिकांश लोग साधना को आत्मशुद्धि या आत्मज्ञान का साधन नहीं बनाते, बल्कि कामनापूर्ति का माध्यम बना लेते हैं। जैसे रुपया स्वयं न अच्छा है, न बुरा, उसका उपयोग तय करता है कि उससे पूजा की सामग्री खरीदी जाएगी या विष, उसी प्रकार साधना भी तभी सार्थक होती है, जब उसका लक्ष्य उच्च हो। रावण का जीवन इस सत्य को स्पष्ट करता है। उसने कठोर तपस्या की, वर्षों तक साधना की और अपनी तपस्या से शंकर को प्रसन्न कर लिया। शंकर के साथ ब्रह्मा भी आए, क्योंकि शंकर विश्वास के प्रतीक हैं और ब्रह्मा विवेक के। यदि रावण चाहता तो वह भक्ति और ज्ञान दोनों मांग सकता था और अपने जीवन को धन्य बना सकता था। लेकिन अहंकार ने उसकी बुद्धि को ढक लिया। उसने विवेक के स्थान पर शक्ति को चुना और अमरता के स्थान पर मनुष्य के हाथों मृत्यु का वर मांग लिया। इस प्रकार उसने स्वयं अपनी मृत्यु की सीमा निर्धारित कर दी।

उसकी साधना महान थी, पर उद्देश्य विकृत था, इसलिए परिणाम विनाशकारी हुआ। इसी प्रकार गांधारी का त्याग भी अत्यंत महान था। पति के अंधेपन के कारण उसने स्वयं आंखों पर पट्टी बांध ली। यह त्याग भावनात्मक रूप से उच्च था, पर विवेक की कसौटी पर पूरा नहीं उतरता। यदि वह अपनी दृष्टि का उपयोग पति को सही दिशा देने में करती, तो संभव है कि इतिहास कुछ और होता। पातिव्रत धर्म में अपार शक्ति थी, लेकिन उस शक्ति का प्रयोग विवेक के बिना हुआ। परिणाम यह हुआ कि वही शक्ति दुर्योधन को विनाश से नहीं बचा सकी। शक्ति होते हुए भी दिशा गलत थी, इसलिए अंत भी गलत हुआ।
इन सभी उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि साधना की शक्ति असीम है, लेकिन साधना से क्या मांगा जाए, यही निर्णायक है। जप से कल्याण भी हो सकता है और अनिष्ट भी, पर अंततः उसका फल साधक को ही भोगना पड़ता है। यदि श्रद्धा किसी के अहित की कामना से जुड़ी है, तो वह तमोगुणी है। यदि श्रद्धा केवल भौतिक सुख, पद या संपत्ति की आकांक्षा से जुड़ी है, तो वह रजोगुणी है। सात्त्विक श्रद्धा वही है, जो निष्काम होकर आत्मशुद्धि, करुणा और तत्त्वज्ञान की ओर ले जाए। ऐसी श्रद्धा ही ज्ञान के दीपक को प्रज्वलित करती है और वही जीवन में सच्ची भक्ति और विवेकपूर्ण ज्ञान का प्रकाश फैलाती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

इन दलों ने ही पारंपरिक खेल जलीकट्टू पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे एनडीए सरकार ने वापस लाकर सालाना आयोजन सुनिश्चित किया। यह सरकार तिरुपरनकुंद्रम दीपम जैसे धार्मिक रीति-रिवाजों का विरोध कर रही है। जे जयललिता ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की थी, जिसे राजग सरकार आगे भी बनाए रखेगी।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी का ना कहीं कोई गठबंधन है, न कोई गठबंधन हो सकता है। कांग्रेस ने बीजेपी के साथ मिलकर इस देश को लूटा है। देश को लूटने वाली इन दोनों पार्टियों के खिलाफ AAP ही आम आदमी के संघर्ष की असली आवाज़ है।

-अनुराग ढांडा
नेता, आप पार्टी

जब मैंने अलग होने का फैसला किया, तब एक बात मुझे लगातार परेशान कर रही थी कि मैं पहले की तरह अपने लोगों से बार-बार मिल नहीं पाऊंगा। मैं पहले ही अपने पिता को खो चुका ता और अब अपने चाचा से भी दूर जा रहा था। यह सोच मुजे अंदर से खाए जा रही थी। पार्टी छोड़ने से ज्यादा दर्दनाक मातोश्री छोड़ना था।

-राज ठाकरे
अध्यक्ष, मनसे

क्या राज्य के मुख्यमंत्री इतने बेबस हैं कि वह किसी भी मंत्री के खिलाफ कुछ नहीं बोलते? मंत्रियों के बच्चे अपराध करते हैं, खुलेआम घूमते हैं, अपने माता-पिता के संपर्क में रहते हैं, लेकिन पुलिस उन्हें ढूंढ नहीं पाती?" क्या राज्य में कानून व्यवस्था और कानून का शासन कायम है ?

-न्यायमूर्ति माधव जामदार
जज, मुंबई हाईकोर्ट

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

## ब्रीफ न्यूज़

### सेवा कार्यों के लिए सोहम फाउंडेशन सम्मानित

उल्हासनगर। उल्हासनगर सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है, जहां अनेक संस्थाएं समाजसेवा में सक्रिय हैं। इन्हीं में सोहम फाउंडेशन ने निरंतर और व्यापक सेवा कार्यों से अलग पहचान बनाई है, जिसके लिए बिरला महाविद्यालय ने संस्था को सम्मानित किया। सोहम फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र देठे ने बताया कि गूगल सर्वे के माध्यम से किए गए अध्ययन में बिरला महाविद्यालय ने पाया कि सोहम फाउंडेशन ने उल्हासनगर व ठाणे ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी घरेलू सामग्री वितरित कर सराहनीय कार्य किया है। सेवा कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के चलते बिरला महाविद्यालय ने राजेंद्र देठे को सम्मान चिन्ह प्रदान किया, जिससे फाउंडेशन के पदाधिकारियों और शहर में उत्साह का माहौल है।

### अंधेरी एवं गोरेगांव तथा माहिम एवं अंधेरी स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग एवं ओवरहेड उपकरणों के रखरखाव कार्य हेतु रविवार, 25 जनवरी 2026 को जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक हार्बर लाइन पर अंधेरी एवं गोरेगांव के बीच 10.00 बजे से 15.00 बजे तक तथा माहिम–अंधेरी के बीच 11.00 बजे से 16.00 बजे तक रहेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान मध्य रेल की सभी छत्रपति महाराज टर्मिनस–बांद्रा–छत्रपति महाराज टर्मिनस एवं छत्रपति महाराज टर्मिनस/पनवेल–गोरेगांव–छत्रपति महाराज टर्मिनस/पनवेल हार्बर लोकल सेवाएं निरस्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त, चर्चगेट एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच कुछ स्लो लोकल सेवाएं भी निरस्त रहेंगी। निरस्त की गई ट्रेनों की सूची स्टेशन मास्टर के कार्यालय में उपलब्ध रहेगी।

### अंधेरी-गोरेगांव और माहिम-अंधेरी स्टेशन के बीच जंबो ब्लाक

ठाणे। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर ज़िला परिषद ठाणे के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति वफ़ादार रहने की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। 23 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे ज़िला परिषद बिल्डिंग के परिसर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने अमूल्य मत के अधिकार का सही उपयोग करने, निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

# हाथों के बल खड़े होने से बची जान

## ठाणे सिविल हॉस्पिटल में कारपेंटर की कार्पल टनल सिंड्रोम की सफल सर्जरी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कल्याण के रहने वाले 50 वर्षीय अशोक शर्मा पिछले 30 वर्षों से बढ़ई (कारपेंटर) का काम कर रहे थे। लगातार हाथों के अत्यधिक उपयोग के कारण उन्हें कार्पल टनल सिंड्रोम नामक गंभीर समस्या हो गई थी। इस बीमारी में कलाई की नसें दब जाने के कारण उनके हाथों की हरकत धीमी हो गई थी, उंगलियों में असहनीय दर्द और झुनझुनी रहने लगी थी। एक कारपेंटर के लिए उसके हाथ ही उसकी पूंजी होते हैं, और इस स्थिति के कारण उनका काम पूरी तरह ठप हो गया था।

### कार्पल टनल सिंड्रोम: लक्षण और कारण

डॉ. धीरज महानगड़े के अनुसार, कार्पल टनल सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जो अक्सर उन लोगों में पाई जाती है जो लगातार हाथों का दोहराव वाला काम करते हैं, जैसे बढ़ई, टाइपिस्ट और कंप्यूटर यूजर। इसके प्रमुख लक्षणों में हाथों में झुनझुनी, उंगलियों का सुन्न होना और पकड़ कमजोर होना शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सही समय पर इस बीमारी का पता चल जाए और विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा ऑपरेशन किया जाए, तो मरीज पूरी तरह से स्वस्थ होकर अपने काम पर लौट सकता है।

### विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मात्र 30 मिनट में सफल सर्जरी

सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार के मार्गदर्शन और अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महानगड़े की देखरेख में विशेषज्ञों की एक टीम ने इस चुनौती को स्वीकार किया। गुरुवार को डॉक्टरों ने अशोक शर्मा की कलाई की सर्जरी मात्र आधे घंटे में सफलतापूर्वक संपन्न कर दी। इस टीम में डॉ. श्रीनेत शिंदे, डॉ. मयूर नागरगोचे, डॉ. विशाल आचार्य और डॉ. अजीत भुसारे शामिल थे, जिनकी मेहनत से अब अशोक की हालत स्थिर है और उनके हाथों में सुधार हो रहा है।

### निजी अस्पतालों का खर्च और सिविल अस्पताल का सहारा

पिछले एक साल से समस्या गंभीर होने पर अशोक ने एक निजी अस्पताल में जांच कराई, जहाँ सर्जरी का खर्च 1 से 1.5 लाख रुपये बताया गया। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे इलाज कराने में असमर्थ थे और अपनी आजीविका खोने के डर में जी रहे थे। इसी बीच उन्हें सूचना मिली कि ठाणे सिविल अस्पताल में यह जटिल सर्जरी निःशुल्क और सफलतापूर्वक की जा रही है, जिसके बाद उन्होंने वहां इलाज कराने का साहसी निर्णय लिया।

### मरीज की नई उम्मीद और अस्पताल की सराहना

सफल सर्जरी के बाद अशोक शर्मा ने राहत की सांस ली है और अस्पताल के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि निजी अस्पताल का खर्च उठाना उनके बस की बात नहीं थी और उन्हें उम्मीद नहीं थी कि सरकारी अस्पताल में इतनी उच्च स्तरीय सुविधा मिल पाएगी। अब उनका दर्द काफी कम है और उन्हें फिर से अपना काम शुरू करने की उम्मीद जगी है। यह मामला सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की विशेषज्ञता और संवेदनशीलता का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

# मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना की शुरुआत

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र सरकार ने युवाओं को पढ़ाई के बाद सीधे काम की ट्रेनिंग और नौकरी पाने के अवसर बढ़ाने के लिए स्किल एम्प्लॉयमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन डिपार्टमेंट के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 से मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना शुरू की है। इसके तहत निजी और सर्विस सेक्टर की कंपनियों में प्रशिक्षु शामिल होंगे। 12वीं पास ट्रेनी को 6,000, ITI और डिप्लोमा ट्रेनी को 8,000 और ग्रेजुएट/पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी को 10,000 रुपये हर महीने 11 महीनों तक स्टाइपेंड मिलेगा। असिस्टेंट कमिश्नर संध्या सालुंखे ने बेरोज़गार उम्मीदवारों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

### ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन प्रक्रिया

ठाणे जिले के बेरोज़गार उम्मीदवार इस योजना के तहत निजी प्रतिष्ठानों में विभिन्न कार्य प्रशिक्षण के अवसरों के लिए https://www.cmykpy.mahaswayam.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। न्यूनतम आयु 18 और अधिकतम 35 वर्ष, न्यूनतम योग्यता 12वीं पास, ITI, डिप्लोमा, डिग्री या पोस्टग्रेजुएट और आधार पंजीकरण वाले उम्मीदवार इस योजना के लिए पात्र हैं। जिले में 20 से अधिक मानव शक्ति वाले निजी प्रतिष्ठानों को अपने प्रशिक्षु रिक्तियों की जानकारी पोर्टल पर साझा करनी होगी।

# टीबी मुक्त भारत अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश जारी

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी निज़ामपुर मनपा ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। अभियान के अंतर्गत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, गैर-सरकारी संगठनों, सहकारी समितियों और कॉरपोरेट संस्थाओं की भागीदारी से टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत टीबी रोगियों को भोजन की टोकरी उपलब्ध कराई जाएगी, जिस पर दवा शुरू होने से लेकर छह महीने से दो साल तक प्रति माह 600 से 800 रुपये (इच्छानुसार) खर्च होगा। भोजन की टोकरी स्वयं तैयार कर या किसी व्यक्ति/संगठन के माध्यम से दी जा सकती है। शहर में वर्तमान में लगभग 4114 टीबी रोगी हैं। छह महीने की अवधि पूर्ण होने पर सरकार के निक्षय पोर्टल के माध्यम से प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

### 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा'

निक्षय मित्र बनने के लिए रिश्तेदार/संस्था का नाम, पता, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और गोद लिए जाने वाले मरीजों की संख्या निक्षय सिस्टम पर पंजीकृत करनी होगी। जानकारी के लिए जिला समन्वयक अनिल गुप्ता (मो. 7021507427) से संपर्क किया जा सकता है। टीबी उन्मूलन के लिए दवा, पोषण सहायता और जन-जागरूकता आवश्यक बताते हुए भिवंडी निज़ामपुर मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (बी.पी.एस.), चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर और नगर तपेदिक अधिकारी डॉ. बुशरा सैयद ने सभी नागरिकों और संस्थाओं से आगे आकर सहयोग की अपील की है। डॉ. बुशरा सैयद का संदेश है—"टीबी हारेगा, देश जीतेगा।"

# गोरखपुर स्टेशन पर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन पर पुराने पिट लाइन कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। ट्रेन संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस 28 मार्च, 2026 तक निरस्त रहेगी। ट्रेन संख्या 05053 गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 27 मार्च, 2026 तक निरस्त रहेगी।

### शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें:

8 फरवरी, 2026 से 29 मार्च, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस बलरामपुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा बलरामपुर एवं गोरखपुर के बीच निरस्त रहेगी। 10 फरवरी, 2026 से 31 मार्च, 2026 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22922 गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस बलरामपुर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा गोरखपुर एवं बलरामपुर के बीच निरस्त रहेगी।

### अस्थायी तौर पर विस्तारित ट्रेनें:

ट्रेन संख्या 19409 साबरमती–गोरखपुर एक्सप्रेस जिसे पहले 14 फरवरी, 2026 तक थावे तक विस्तारित किया गया था, अब इसे 28 मार्च, 2026 तक थावे तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 19410 गोरखपुर–साबरमती एक्सप्रेस जिसे पहले 16 फरवरी, 2026 तक थावे से ओरिजिनेट किया जा रहा था, अब इसे 29 मार्च, 2026 तक थावे से ओरिजिनेट किया जाएगा।

# 1111 फीट लंबी तिरंगा यात्रा का आयोजन

नवी मुंबई। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), नवी मुंबई द्वारा 1111 फीट लंबी भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित की गई। इस राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यात्रा में नवी मुंबई क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया और देशप्रेम का उत्स्फूर्त प्रदर्शन किया। तिरंगा यात्रा वाशी स्थित ब्ल्यू डायमंड चौक से प्रारंभ होकर साईनाथ एज्युकेशन ट्रस्ट के राजीव गांधी कॉलेज वाशी में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्" और "जय हिंद" के उद्घोष से वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना को प्रबल करना था। कार्यक्रम में उद्यमी नारायण भार्गव, आलोक अग्रवाल, खेलो भारत संयोजक अर्पिता मलिक, अभाविप प्रदेश मंत्री राहुल राजोरिया और राजीव गांधी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बासुकीनाथ पांडे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025

# सोलापुर मंडल का वर्क्स एफिशिएंसी शील्ड और ट्रैक मशीन शील्ड पर कब्जा

### 9 रेलकर्मियों को "विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार" से किया गया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 70वें विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 समारोह में शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्क्स एफिशिएंसी शील्ड और ट्रैक मशीन शील्ड अपने नाम की। यह सम्मान मंडल की कार्यकुशलता, तकनीकी दक्षता और बेहतर अनुरक्षण व्यवस्था का प्रमाण माना जा रहा है।

### CSMT में हुआ भव्य सम्मान समारोह

21 जनवरी 2026 को मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) के मध्य रेल सभागार में आयोजित समारोह में मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 98 अधिकारियों–कर्मचारियों को 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 प्रदान किया। इसके साथ ही विभिन्न मंडलों, कार्यशालाओं और स्टेशनों को कुल 24 शील्ड से सम्मानित किया गया।

### रेलवे की भविष्य की दिशा पर जोर

अपने संबोधन में विवेक कुमार गुप्ता ने रेलवे बोर्ड स्तर पर 5 शील्ड जीतने को बड़ी उपलब्धि बताया और वर्ष 2026 के लिए "52 सप्ताह में 52 सुधार" के लक्ष्य पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा, तकनीक, नवाचार, एआई, प्रशिक्षण और सोच में बदलाव को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं, यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### सोलापुर मंडल की टीम को मिला दोहरा सम्मान

इस अवसर पर सोलापुर मंडल को मिली दोनों शील्ड मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) डॉ. सुजीत मिश्रा और उनकी टीम ने ग्रहण कीं। महाप्रबंधक ने मंडल की टीमवर्क भावना और निरंतर सुधार प्रयासों की सराहना करते हुए इसे मध्य रेल के लिए गर्व का विषय बताया।

### 9 रेलकर्मियों को मिला व्यक्तिगत सम्मान

सोलापुर मंडल के 9 रेलकर्मियों को असाधारण योगदान के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें लेखा, वाणिज्य, सिविल इंजीनियरिंग, यांत्रिक, परिचालन और स्टोर्स विभाग से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं।

# मुंबई जीपीओ में मनाई गई वसंत पंचमी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) में वसंत पंचमी का पर्व उल्लास और जीवंतता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय डाक ने सांस्कृतिक, शैक्षिक और संचार गतिविधियों को फिलैटली और ज्ञान डाक सेवाओं के माध्यम से एक साथ जोड़ते हुए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। वसंत पंचमी के अवसर पर कोलाबा म्युनिसिपल सेकेंडरी स्कूल, फोर्ट के विद्यार्थियों को फिलैटली और नैतिक कथाओं से संबंधित पुस्तकें वितरित की गईं। साथ ही संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का मुद्रित संदेश बच्चों को भेंट किया गया, जिससे ज्ञान डाक सेवाओं को बढ़ावा मिला और बच्चों में अध्ययन के प्रति उत्साह जागृत हुआ।

### गणमान्य व्यक्तियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर रेखा क्यू.ए. रिज़वी (निदेशक, मुंबई जीपीओ), आस्था जैन (एसएसपीओ, मुंबई पश्चिम), आसिम खान (एसएसपीओ, मुंबई पूर्व), शंकर पवार (प्रधानाचार्य, कोलाबा म्युनिसिपल सेकेंडरी स्कूल, फोर्ट) और संतोष कुलकर्णी (एडी–पीएसआर, महाराष्ट्र सर्किल) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

### स्पेशल कवर कैंसिलेशन जारी

कार्यक्रम के दौरान एक आकर्षक स्पेशल कवर कैंसिलेशन जारी किया गया, जिसमें पुस्तकें, सितार और स्याही बर्तन का चित्रण था। यह कवर ज्ञान, रचनात्मकता और वसंत पंचमी की भावना का प्रतीक बना, जिसे फिलैटली प्रेमियों ने विशेष रूप से सराहा। कार्यक्रम के तहत बच्चों ने अपने माता-पिता को पत्र लिखे और सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए 'संदेश वीरों को' अभियान में पोस्टकार्ड डाले। बच्चों ने फिलैटली ब्यूरो का भ्रमण किया, स्टांप संग्रह देखा और सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें

## 12 राशिफल में देखें अपना दिन

**मेष** नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग हैं। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। समय पर निर्णय लेने से काम बनेंगे। आलस्य त्यागकर काम पर ध्यान दें।

**वृष** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी भी अपरिचित पर अंधविश्वास न करें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। दूसरे आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे। काम में विलंब होगा। आय बनी रहेगी। बाहरी सहयोग मिलेगा। कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होगा।

**मिथुन** स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि संभव है। कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। विवाद न करें।

**कर्क** प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। उत्तेजना से समस्या बढ़ सकती है। राजकीय कोप का भाजन बन सकते हैं। जल्दबाजी न करें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

**सिंह** मेहनत सफल रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज के वरिष्ठजनों से मेलजोल बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

**कन्या** मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पठन-पाठन व लेखन आदि के काम सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। किसी विशेष व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है।

**तुला** जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का अवसर प्राप्त होगा। शत्रु शांत रहेंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होगी। व्ययवृद्धि होगी। नए काम मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। विवाद न करें।

**वृश्चिक** प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। तीर्थयात्रा का आनंद मिलेगा। दुष्टजनों से दूर रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा।

**धनु** यात्रा मनोरंजक रहेगी। मेहनत का फल मिलेगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वयं की देनदारी समय पर चुका पाएंगे। भाइयों से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता तथा संतुष्टि होगी। शत्रु शांत रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा।

**मकर** बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। बाहरी व्यक्ति की बातों में न आएं। बड़ा काम करने का मन बनेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जीवन सुखमय गुजरेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भूमि, भवन, दुकान, फैक्टरी व शोरूम आदि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

**कुंभ** मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजन के अवसर मिलेंगे। नए काम मिल सकते हैं। अवसर का लाभ लें। पार्टनरों से मतभेद दूर होकर सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

**मीन** जरा सी लापरवाही हानि दे सकती है, विशेषकर गृहिणियां सावधानी रखें। किसी के उकसावे को नजरअंदाज करें। बात बढ़ सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। जोखिम उठाने व जल्दबाजी करने से बचें।

# सप्तमेश द्वादश भाव में: प्रेम, विवाह और कर्म की अद्भुत यात्रा

जब किसी कुंडली में सप्तम भाव का स्वामी द्वादश भाव में विराजमान होता है, तो यह स्थिति व्यक्ति के जीवन में गहराई और परिवर्तन की एक अद्भुत कहानी लिख देती है। सप्तम भाव, जो विवाह, दीर्घकालिक संबंध, साझेदारी और आकर्षण के पैटर्न का प्रतीक है, जब द्वादश भाव की ऊर्जा के साथ जुड़ता है, तो व्यक्ति के प्रेम और अंतरंग जीवन की दिशा पूरी तरह बदल जाती है। यह कोई साधारण ज्योतिषीय स्थिति नहीं है; यह एक ऐसा योग है जो छिपी हुई इच्छाओं, विदेशी ऊर्जा, आत्मिक अनुबंधों और गहन भावनात्मक अनुभवों को जन्म देता है।

ऐसे व्यक्ति अक्सर अपने जीवन में ऐसे साथी और परिस्थितियाँ आकर्षित करते हैं जो स्थायी, गहन और कभी-कभी चुनौतीपूर्ण होती हैं। उनके लिए प्रेम और विवाह एक सहज सुविधा नहीं, बल्कि एक कर्म प्रधान

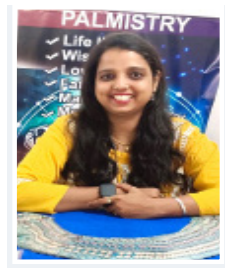


प्रियंका जैन
9769994439

यात्रा बन जाता है। यह यात्रा व्यक्ति को भीतर से परिपक्व बनाती है, उसे गहरे अनुभवों और मौन पीड़ा के माध्यम से सिखाती है कि प्रेम का अर्थ केवल आकर्षण या साथी का होना नहीं, बल्कि आत्मिक बंधन और अनुभवों के माध्यम से आत्मा का विकास करना है।

सप्तमेश द्वादश भाव में होने वाले व्यक्ति को अक्सर अपने साथी से भावनात्मक दूरी का अनुभव होता है। जीवनसाथी कभी-कभी दूर, रहस्यमय या समझने में कठिन लग सकता है। इनके संबंधों में धैर्य और सहनशीलता की परीक्षा लगातार चलती रहती है। विवाह में देरी, विदेशी साथी का आकर्षण, मौन पीड़ा और कभी-कभी आर्थिक या सामाजिक चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति व्यक्ति को ऐसे अनुभव देती है जो उसे स्थायी और गहन भावनात्मक समझ की ओर ले जाते हैं। इसके बावजूद, यह वही अनुभव उसे गहरी आत्मिक संतुष्टि और परिवर्तन भी प्रदान करते हैं। जीवनसाथी केवल साथी नहीं, बल्कि कर्मों और ऋणों का भुगतान करने का माध्यम बन जाता है। ग्रहों का प्रभाव इस स्थिति को और भी गहरा बनाता है। जब बृहस्पति इस स्थिति में प्रभाव डालता है, तो व्यक्ति को आध्यात्मिक जीवनसाथी, विदेश से लाभ और स्थिरता का आशीर्वाद मिलता है। शुक्र यहाँ प्रेम और आकर्षण की गहराई को जन्म देता है, लेकिन भ्रम और आदर्शीकरण की चुनौतियाँ भी पैदा कर सकता है। बुध संचार और युवा जीवनसाथी की ऊर्जा लाता है, जबकि मंगल जुनून, यौन ऊर्जा और कभी-कभी झगड़ों के कारण प्रेम को चुनौतीपूर्ण बनाता है। सूर्य अहंकार और शक्ति के सबक लाता है, जबकि चंद्रमा भावनात्मक संवेदनशीलता और हृदय में गहरे घाव का प्रतिनिधित्व करता है। शनि इस स्थिति में देरी, परीक्षा और कष्टों के माध्यम से परिपक्वता देता है। राहु विदेशी आकर्षण, अप्रत्याशित घटनाएँ और वर्जित इच्छाओं का मार्ग दिखाता है, जबकि केतु या शुक्र के प्रभाव से वियोग, अचानक मिलन या आध्यात्मिक बंधन की परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं। जो राशियाँ इस स्थिति में सर्वश्रेष्ठ रूप से कार्य करती हैं, वे मीन, धनु, तुला, वृषभ और कुंभ हैं। मीन राशि वाले आध्यात्मिक प्रेम और सकारात्मक परिणाम प्राप्त करते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### SOG टीम पर हमला, एक जवान गंभीर रूप से घायल

**बरेली।** बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में चोरी के मामले की जांच के दौरान एसओजी टीम पर बदमाशों ने हमला कर दिया। कार्रवाई के दौरान एक सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पुलिस ने मौके से छह लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, चोरी की बैटरियों की बरामदगी के लिए दबिश दे रही टीम ने एक संदिग्ध वाहन को रोका था। इसी दौरान आरोपियों और उनके साथियों ने पुलिस से हाथापाई करते हुए हमला कर दिया और सिपाही का हथियार छीनने की कोशिश की। घायल जवान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमलावरों के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है। साथ ही चोरी से जुड़े पूरे गिरोह की पहचान कर कार्रवाई तेज कर दी गई है।

### जौनपुर में लुटेरी दुल्हन फरार, चार आरोपी पकड़े गए

**जौनपुर।** शादी कराने का झांसा देकर युवकों से मोटी रकम वसूलने वाले गिरोह का सरायख्वाजा पुलिस ने खुलासा किया है। इस गिरोह ने फर्जी दुल्हन के जरिए एक युवक से लाखों रुपये की ठगी की थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से नकदी बरामद की है, जबकि कथित दुल्हन फरार बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने फोटो और शादी के खर्च का हवाला देकर पीड़ित को अपने जाल में फंसाया, खरीदारी और रस्मों के नाम पर रकम वसूली और मंदिर में फर्जी विवाह करा दिया। बाद में मौके का फायदा उठाकर दुल्हन समेत गिरोह फरार हो गया। पूछताछ में आरोपियों ने अन्य जिलों में भी इसी तरह की ठगी करना स्वीकार किया है। पुलिस फरार महिला की तलाश में जुटी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

### उत्तर प्रदेश दिवस : गृह मंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

**लखनऊ।** 24 जनवरी को राजधानी में आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस-2026 समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। वीवीआईपी उपस्थिति को देखते हुए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों को कई जोन व सेक्टर में बांटकर हजारों पुलिसकर्मियों, पीएसी और आरएएफ की तैनाती की गई है। बम निरोधक दस्ते, एंटी-ड्रोन सिस्टम, एटीएस और स्नाइपर टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था और आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल पूरी कर ली गई है। पूरे इलाके पर सीसीटीवी और कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से यातायात डायवर्जन का पालन करने और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग की अपील की है।

**चित्रकूट के बरगढ़ में बेखौफ बदमाशों ने छात्र को किया अगवा, मांगी 40 लाख की फिरौती**

# अपहृत छात्र की हत्या कर भाग रहा बदमाश ढेर

**झांसी–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाकर किया प्रदर्शन**
**घेराबंदी में दूसरे बदमाश को भी लगी गोली, अस्पताल में भर्ती**

एजेंसी । चित्रकूट

बरगढ़ कस्बे में व्यापारी के नाबालिग पुत्र के अपहरण और हत्या से उपजे जनाक्रोश के बीच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस जघन्य अपराध में शामिल आरोपियों के साथ हुई मुठभेड़ में एक बदमाश मारा गया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल होकर इलाजरत है। घटना के विरोध में व्यापारियों ने झांसी–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, बरगढ़ बाजार में कपड़ा व्यवसाय करने वाले अशोक केसरवानी का 14 वर्षीय पुत्र आयुष गुरुवार शाम कोचिंग के लिए निकला था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। तलाश के दौरान परिजनों को अपहरण की सूचना मिली और कुछ ही समय बाद फिरौती के रूप में 40 लाख रुपये की मांग की गई। परिजन पुलिस तक पहुंचे ही थे कि आरोपियों ने किशोर की निर्मम हत्या कर दी। शुक्रवार तड़के आयुष का शव घर से कुछ दूरी पर मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना से आक्रोशित व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते बरगढ़ थाना क्षेत्र छावनी में तब्दील हो गया और कई थानों की पुलिस बल मौके पर तैनात कर दी गई।

#### जंगल में रातभर चला आपरेशन

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपियों की तलाश तेज की। इसी दौरान जंगल क्षेत्र में बदमाशों से आमना-सामना हो गया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए फायरिंग की, जिस पर जवाबी कार्रवाई की गई। मुठभेड़ में कल्लू खान की मौत हो गई, जबकि इरफान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्रयागराज मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।

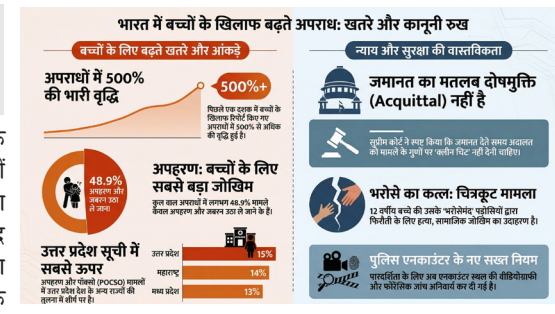


#### मकान खाली करवाने से था नाराज

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले मृतक के पिता के मकान में किराए पर रहते थे और हाल ही में मकान खाली कराए जाने से नाराज थे। इसी रंजिश में उन्होंने अपहरण की साजिश रची और फिरौती न मिलने पर हत्या कर दी। घटना को लेकर व्यापारी संगठनों में भारी रोष है। उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग करते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग शासन से की है। पुलिस और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए हैं तथा कानून व्यवस्था बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

# हवाला नेटवर्क: दो करोड़ कैश, 61 किलो चांदी बरामद

**कानपुर में हवाला और सट्टा नेटवर्क पर बड़ा प्रहार**
**कलक्टरगंज में छापेमारी, पांच आरोपी हिरासत में**

एजेंसी । कानपुर

शहर में अवैध वित्तीय लेनदेन और सट्टेबाजी से जुड़े एक संगठित नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलक्टरगंज थाना क्षेत्र में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में नकदी और चांदी बरामद कर पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से मिल रही सूचनाओं के आधार पर धनकुट्टी इलाके में एक आवास पर दबिश दी गई, जहां अवैध सट्टा और हवाला लेनदेन संचालित होने की आशंका थी। तलाशी के दौरान अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखी गई दो करोड़ रुपये से अधिक की नकदी मिली, जबकि 61 किलोग्राम चांदी भी बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है।

#### इलेक्ट्रानिक उपकरण भी हाथ लगे

कार्रवाई के दौरान पुलिस को कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी हाथ लगे हैं, जिनमें कंप्यूटर, लैपटॉप, पेन ड्राइव और अन्य डिजिटल माध्यम शामिल हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन्हीं संसाधनों के जरिए देश के विभिन्न शहरों में पैसों का अवैध लेनदेन किया जा रहा था। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस गिरोह के तार अलीगढ़, दिल्ली, वाराणसी, मुंबई, इंदौर, नोएडा और जयपुर जैसे बड़े शहरों से जुड़े हुए हैं। पुलिस अब जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क की पूरी संरचना खंगालने में जुटी है।

# पहाड़ों पर मौसम ने ली करवट, बर्फबारी की संभावना

**नैनीताल में अचानक बदले मौसम के बाद शुरू हुई बरसात**
**उत्तराखंड में बारिश से ठिठुरन बढ़ी, सुरक्षा के लिए अलर्ट जारी**

एजेंसी । नैनीताल/देहरादून

लगभग साढ़े तीन महीने की धूप और सूखी ठंड के बाद नैनीताल में शुक्रवार को मौसम ने अचानक रुख बदला। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दोपहर बाद शहर में इस शीतकालीन सीजन की पहली बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी भी संभव है।

#### सैलानियों के इंतजार में माल रोड और नौकाएं

बारिश और ठंड के बीच पर्यटन नगरी में सैलानियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। माल रोड पर कई प्रतिष्ठान दोपहर तक बंद रहे और नैनी झील में नौकाओं की आवाजाही भी नहीं देखी गई। रोप-वे केबल कार स्टेशन पर सैलानियों के इंतजार में खड़ी रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिन और ठंड के साथ पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है, इसलिए पर्यटकों और स्थानीय लोगों को मौसम के अनुरूप सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

#### शुक्रवार रहा सीजन का सबसे ठंडा दिन

शहर में शुक्रवार का दिन इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। पिछले दिन तापमान अधिकतम 19 और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस था, जबकि शुक्रवार को अधिकतम 12 और न्यूनतम 4 डिग्री तक गिर गया। झील नियंत्रण कक्ष की जानकारी के अनुसार, बीते तीन माह में बारिश न होने से नैनी झील का जल स्तर लगातार गिरता रहा और अब 83 .21 फिट पर है।

# कफ सिरप तस्करी पर बड़ी चोट 28.50 करोड़ की संपत्ति जब्त

**वाराणसी।** नशीले कफ सिरप की तस्करी से जुड़े बहुचर्चित मामले में पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के पिता भोला जायसवाल की करोड़ों रुपये की संपत्ति को कुर्क कर लिया है। सोनभद्र पुलिस की इस कार्रवाई को एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रदेश में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। न्यायालय के निर्देश पर शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम बादशाहबाग कॉलोनी, सिगरा स्थित भोला जायसवाल के आवास पर पहुंची और मुनादी के बाद संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के अनुसार, यह संपत्ति कथित रूप से नशा तस्करी से अर्जित धन से बनाई गई थी, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 28 करोड़ 50 लाख रुपये है। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज थाने में दर्ज मामले की विवेचना के दौरान भोला जायसवाल की चल-अचल संपत्तियों और बैंक खातों का पता लगाया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी के वाराणसी स्थित कई बैंक खातों में एक करोड़ से अधिक की राशि जमा थी, जबकि शहर में उसके नाम पर कई मकान भी दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि संगठित अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा और अवैध कमाई से खड़ी की गई संपत्तियों को चिन्हित कर इसी तरह कार्रवाई की जाएगी।

# वसंत पंचमी: स्नान-ध्यान को संगम तीरे लगी रही कतार

**वसंत पंचमी पर उमड़ा श्रद्धा का महासागर**
**दोपहर तक 2.90 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया पुण्य स्नान**

**प्रयागराज।** विश्वविख्यात माघ मेला क्षेत्र में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। शुक्रवार तड़के शुभ मुहूर्त के साथ ही गंगा, यमुना और अंतःसलिला सरस्वती के पावन संगम पर स्नान का सिलसिला आरंभ हो गया, जो दिन चढ़ने के साथ विशाल जनसमूह में परिवर्तित हो गया। दोपहर दो बजे तक लगभग दो करोड़ नब्बे लाख श्रद्धालुओं ने संगम और विभिन्न घाटों पर डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। भोर 2 बजकर 28 मिनट से शुरू हुए स्नान पर्व में संत-महात्माओं, साधु-अखाड़ों के साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर गंगे, बम-बम भोले के जयघोष के बीच स्नान किया। इस अवसर पर काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती महाराज ने भी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और लोककल्याण की कामना की। श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुबह से शुरू हुआ स्नान-ध्यान का सिलसिला सांझ ढलने तक चला। संगम सहित सभी प्रमुख घाटों पर जल पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती की गई। स्नान के बाद घाटों को शीघ्र खाली कराने के लिए लगातार उद्घोषणा की जाती रही, ताकि भीड़ नियंत्रित रहे और कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

## व्यापार जगत

# बीमा कंपनियों, नाबार्ड और RBI के कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों को बड़ी राहत

**पेंशनधारक और वेतनभोगी होंगे लाभांवित**
**वेतन और पेंशन संशोधन मंजूर, 12.41 प्रतिशत की वृद्धि**

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों, नाबार्ड और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों को बड़ी राहत देते हुए लंबे समय से लंबित वेतन और पेंशन संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से देशभर में हजारों सेवारत कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों के वेतन में संशोधन एक अगस्त 2022 से प्रभावी माना जाएगा। इसके तहत कुल वेतन व्यय में 12.41 प्रतिशत की वृद्धि होगी। संशोधन में मूल वेतन और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के साथ ही वर्ष 2010 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सरकारी योगदान को बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया है।

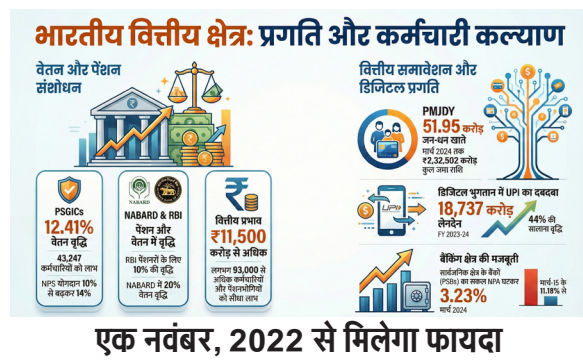


#### एक नवंबर, 2022 से मिलेगा फायदा

इसी क्रम में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और फैमिली पेंशनधारकों की पेंशन में भी एक नवंबर 2022 से वृद्धि को मंजूरी दी गई है। संशोधन के बाद उनकी मूल पेंशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और मासिक भुगतान में सुधार आएगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि यह फैसला सरकार की सामाजिक सुरक्षा और पेंशनधारकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को आर्थिक स्थिरता और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना सरकार का उद्देश्य है।

#### पारिवारिक पेंशन दर भी एक समान

सरकार ने पारिवारिक पेंशन की दर को भी एक समान 30 प्रतिशत पर संशोधित करने का फैसला लिया है, जिससे बड़ी संख्या में पारिवारिक पेंशनधारकों को राहत मिलेगी। इस वेतन और पेंशन संशोधन पर सरकार को हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा, जिसमें बकाया भुगतान भी शामिल है। नाबार्ड के सभी ग्रुप 'ए', 'बी' और 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में भी एक नवंबर 2022 से लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को स्वीकृति दी गई है।

# सेंसेक्स 770 अंक टूटा निफ्टी में भारी गिरावट

**अंतिम कारोबारी दिन बिकवाली के दबाव में बाजार फिसला**
**बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटो, हेल्थकेयर, तेल एवं गैस पर दबाव**

**नई दिल्ली।** सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों की सतर्कता भारी पड़ी और व्यापक बिकवाली के चलते सूचकांक मजबूती संभाल नहीं सके। दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद बाजार लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स करीब 770 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। कारोबार समाप्त होने पर बीएसई सेंसेक्स 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,537.70 अंक पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 0.95 प्रतिशत लुढ़ककर 25,048.65 अंक पर बंद हुआ। बाजार में कमजोरी इतनी व्यापक रही कि सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स नुकसान के साथ बंद हुए। बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटो, हेल्थकेयर, तेल एवं गैस, वित्तीय सेवाओं और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक दबाव देखने को मिला।

#### अधिकांश हैवीवेट स्टाक्स लाल निशान में

मारुति सुजुकी, एसबीआई, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ट्रेंट जैसे बड़े शेयरों में भी कमजोरी बनी रही। अधिकांश हैवीवेट स्टॉक्स लाल निशान में बंद हुए, जिससे बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना। हालांकि, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के कुछ शेयरों ने आंशिक सहारा दिया। हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और टीसीएस में हल्की तेजी देखी गई, लेकिन यह तेजी गिरावट के असर को कम करने में नाकाफी रही।

# Foreign Reserves 700 अरब डॉलर के पार

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के दौर के बीच भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूती का स्पष्ट संकेत मिला है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर 700 अरब डॉलर के अहम स्तर को पार कर गया है, जिससे रुपये और बाहरी क्षेत्र को उल्लेखनीय सहारा मिला है। 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 14.167 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसके बाद कुल भंडार बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह बढ़त हालिया सप्ताहों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली मानी जा रही है, क्योंकि इससे पहले सप्ताह में भंडार में केवल 392 मिलियन डॉलर की सीमित वृद्धि दर्ज हुई थी।

#### स्वर्ण भंडार में बढ़ोत्तरी का भी योगदान

आरबीआई के अनुसार, इस तेज इजाफे में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों के साथ-साथ स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी का भी अहम योगदान रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत फॉरेक्स रिजर्व न केवल रुपये पर दबाव को कम करता है, बल्कि आयात लागत, विदेशी कर्ज भुगतान और वैश्विक झटकों से निपटने की क्षमता को भी बढ़ाता है। कुल मिलाकर, विदेशी मुद्रा भंडार का 700 अरब डॉलर के पार पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी मोर्चे पर स्थिरता और भरोसे को दर्शाता है, जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल में एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

# गल्फूड 2026 में दिखेगा खेती-किसानी का इकोसिस्टम

**26 जनवरी से दुबई में शुरू हो रहा आयोजन**
**मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए भारत तैयार**

**नई दिल्ली।** वैश्विक खाद्य और कृषि व्यापार के मंच पर भारत अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। दुबई में 26 जनवरी से शुरू हो रहे गल्फूड 2026 में भारत 161 प्रदर्शकों के साथ अपने व्यापक और विविध एग्री-फूड इकोसिस्टम को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने प्रस्तुत करेगा। खास बात यह है कि भारत पहली बार इस प्रतिष्ठित आयोजन में पार्टनर देश की भूमिका में शामिल हो रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के नेतृत्व में भारत की भागीदारी देश को एक भरोसेमंद खाद्य आपूर्ति केंद्र और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अहम सहयोगी के रूप में स्थापित करेगी। गल्फूड जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह सहभागिता भारत की बढ़ती निर्यात क्षमता और मजबूत सप्लाई चेन का प्रदर्शन मानी जा रही है।

#### 25 राज्यों के एग्जिबिटर्स लेंगे हिस्सा

इस आयोजन में देश के 25 राज्यों से आए एग्जिबिटर्स हिस्सा लेंगे, जो कृषि-खाद्य उत्पादों से लेकर आधुनिक एग्री-टेक समाधानों तक की झलक पेश करेंगे। भारत की उपस्थिति का प्रमुख आकर्षण 'भारती पवेलियन' होगा, जहां निर्यात के लिए तैयार चुने हुए स्टार्टअप्स अपने नवोन्मेषी उत्पाद और तकनीकी समाधान प्रदर्शित करेंगे। एपीडा द्वारा स्थापित भारती पवेलियन में आठ उच्च क्षमता वाले भारतीय स्टार्टअप्स को स्थान दिया गया है, जिनका चयन देशभर से प्राप्त सैकड़ों आवेदनों में से किया गया है। ये स्टार्टअप आधुनिक तकनीक, मूल्यवर्धित कृषि-उत्पाद और वैश्विक बाजार के अनुरूप समाधान पेश कर भारत की कृषि-खाद्य क्षमताओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### पटेल क्रिकेट कोचिंग सेंटर की भारी जीत

**मुंबई।** वेंगसरकर क्रिकेट फाउंडेशन द्वारा आयोजित बॉयज अंडर-19 के फाइनल में पटेल क्रिकेट कोचिंग सेंटर ने सुलक्षण कुलकर्णी क्रिकेट अकादमी को 206 से पराजित करके भारी जीत दर्ज की। माहुल, चेंबूर के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाजी रज़ा मिर्जा द्वारा खेली गई शानदार 190 रनों की पारी की बदौलत निर्धारित 40 ओवरों में पटेल क्रिकेट कोचिंग सेंटर ने आठ विकेट गवांकर 374 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया। इतने बड़े स्कोर के दबाव में उतरी सुलक्षण कुलकर्णी क्रिकेट अकादमी की टीम 27.5 ओवरों में मात्र 168 रनों पर सिमट गई।

### एमसीसी ठाणे विजयी

**मुंबई।** ज्वाला स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एमसीसी टैलेन्ट सर्च अंडर-12 लीग के एक मैच में एमसीसी ठाणे की टीम ने विबग्योर स्ट्राईकर्स की टीम ने पांच विकेट से पराजित किया। ओवल मैदान पर हुए मैच में जीत के लिए मिले 194 रनों के लक्ष्य को एमसीसी ठाणे की टीम ने 32.5 ओवर में पांच विकेट गवांकर जीत के लिए आवश्यक रन जुटा लिए। विवान गुर्जर ने 87 गेंदों पर 103 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में मुख्य भूमिका निभाई।

**रणजी ट्रॉफी**

# गिल फिर फ्लॉप, सौराष्ट्र ने पंजाब को रौंदा

एजेंसी । सौराष्ट्र

पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाने वाले भारतीय कप्तान गिल दूसरी पारी में 32 गेंदों में 14 रन बनाकर चलते बने। नतीजा सौराष्ट्र ने पंजाब को रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दूसरे ही दिन शुक्रवार को 194 रन से रौंद दिया। पंजाब की टीम 320 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 39 ओवर में 125 रन पर लुढ़क गई। उदय 31 को छोड़कर का उसका कोई भी बल्लेबाज 20 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचा। प्रभसिमरन ने 17 और हरनूर बराड़ ने 18 रन का योगदान दिया। सौराष्ट्र की ओर से स्पिनरों धर्मेंद्रसिंह जडेजा और पर्थ ने पांच-पांच विकेट चटकाए। इससे पहले सौराष्ट्र ने अपनी दूसरी पारी तीन पर 24 रन से आगे बढ़ाई और 286 रन बनाए। एक समय सौराष्ट्र की आधी टीम 75 रन पर पवेलियन में थी। भारतीय ऑराउंडर जडेजा ने 46 रन की पारी खेलने के साथ ही प्रेरक मांकड (56) के साथ छठे विकेट के लिए 92 रन जोड़कर टीम को संभाला। अंत में हित्विक कोटक ने 39 और पर्थ ने नाबाद 37 रन बनाकर टीम को 280 के पार पहुंचाया। पंजाब के लिए हरप्रीत बरार ने लगातार दूसरी पारी में पांच विकेट झटके।

### दिल्ली के खिलाफ छत्तीसगढ़ बड़ी बढ़त की ओर

**बेंगलुरु।** आयुष पांडे और अनुज तिवारी के शतकों से छत्तीसगढ़ ने दिल्ली के खिलाफ बड़ी बढ़त की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। छत्तीसगढ़ ने दूसरे दिन दो विकेट पर 351 रन बनाकर 135 रन की बढ़त बना ली है। स्टंप्स के समय आयुष 161 और मयंक वर्मा 30 रन बनाकर क्रीज पर हैं। आयुष ने अनुज (108) के साथ पहले विकेट के लिए 212 और संजीत देसाई (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। छत्तीसगढ़ ने सुबह 52 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। दिल्ली ने आठ गेंदबाज आजमाए जिसमें से कप्तानी बडोनी और दिविज मेहरा ही एक-एक सफलता हासिल कर पाए। दिल्ली की पहली पारी 216 रन पर सिमट गई थी।

### उत्तराखंड ने यूपी पर कसा शिंकजा

लखनऊ। शरणदीप सिंह के बाद कुमार कुशाग्र ने भी शानदार शतकीय पारी खेली। शरणदीप ने 139 और कुशाग्र ने 102 रन बनाए। इनके अलावा कप्तान विराट सिंह ने 50 रॉबिन मिंज ने 62 और अनुकूल राय ने 43 रन का योगदान दिया। इससे उत्तराखंड ने अपनी पहली पारी शुक्रवार को छह विकेट पर 561 रन पर घोषित कर दी। उसके बाद उत्तर प्रदेश के 32 रन पर तीन विकेट निकालकर मेजबान टीम पर शिकंजा कस दिया है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर अभिषेक गोस्वामी 14 और शिवम शर्मा आठ रन बनाकर क्रीज पर थे। यूपी अभी भी 529 रन से पीछे है।

### बडौदा ने नगालैंड को पारी से हराया

वडोदरा। बडौदा ने मैच के दूसरे ही दिन नगालैंड को पारी और छह रन से पराजित किया। बडौदा ने अपनी पारी एक विकेट पर 139 र से आगे बढ़ाई और पांच खिलाड़ियों के अर्धशतकों से 353 रन बनाए। शिवालिक शर्मा ने 80, जे सिंह ने 55, शाश्वत रावत ने 56, कप्तान क्रुणाल पांड्या ने 52 और महेश ने 55 रन का योगदान दिया। नगालैंड की दूसरी पारी 34.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई। महेश और अतीत सेठ ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

### सरफराज ने दोहरे शतक के साथ बनाया अनोखा रिकॉर्ड

हैदराबाद। शानदार फॉर्म में चल रहे मुंबई के धांसू बल्लेबाज सरफराज खान ने हैदराबाद के खिलाफ शुक्रवार को दोहरा शतक जड़कर अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 219 गेंदों में 19 चौकों और नौ छक्कों से 227 रन की पारी खेली। वह एक सत्र में प्रथम श्रेणी में दोहरा, लिस्ट ए में 150 और टी-20 में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय जबकि दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बन गए। सरफराज इंग्लैंड के डेनिएल बेल ड्रमंड (2016,2023 ) और के एलेक्स हेल्स (2017) के क्लब में शामिल हो गए। डेनिएल एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्होंने दो बार यह उपलब्धि हासिल की है। सरफराज का यह पांचवां दोहरा शतक है। उनके अलावा सुवेद ने 75 और अर्थव ने नाबाद 35 रन बनाए। इससे मुंबई ने पहली पारी में 560 रन बनाए। जवाब में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक हैदराबाद ने दो विकेट पर 138 रन बनाए थे। जी राहुल सिंह 82 और कोडीमेला 40 रन बनाकर क्रीज पर हैं। हैदराबाद अभी 422 रन से पीछे है। सरफराज ने अपनी इस पारी के दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 5000 रन भी पूरे किए। वह 99 पारियों में 64.15 की औसत से 5090 रन बना चुके हैं। इसमें 17 शतक और 16 अर्धशतक शामिल हैं। वह पहले दिन 142 रन बनाकर लौटे थे। दूसरे दिन भी उनकी पारी में वही आत्मविश्वास दिखा।

# बोर्ग का रिकॉर्ड बराबर कर नंबर एक अल्कराज प्री-क्वार्टर में

- ग्रैंड स्लैम में कुल 100वें मैच के बाद जीत-हार में जोकोविच, फेडरर और सिनेर को पछाड़ा
- 18 साल की जोविक ने पाओलिनी को हरा उलटफेर किया

**मेलबर्न।** दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ग्रैंड स्लैम में 100 मैचों के बाद एक ऐसे रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है जिसने उन्हें खास खिलाड़ियों की श्रेणी में शुमार करा दिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में शुक्रवार को कोरेंटिन माउटेट को हरा दिया और ब्योर्न बोर्ग के बराबर पहुंच गए। अल्काराज ने फ्रेंच खिलाड़ी को 6-2, 6-4, 6-1 से पराजित करके प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। अल्काराज अब दुनिया के 19वें नंबर के टॉमी पॉल से भिड़ेंगे जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने पर अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से जीत लिए थे।

### पांचवीं बार ग्रैंड स्लैम मैच जीता

यह पांचवीं बार है जब मेदवेदेव ने 0-2 से पिछड़ने के बाद ग्रैंड स्लैम मैच जीता है। तीन बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन उप विजेता मेदवेदेव अब अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन से भिड़ेंगे जिन्होंने उन्हें पिछले साल यहां दूसरे दौर के पांच सेट चले मैच में हराया था। 25वें वरीय टिएन ने नूनो बोर्गेस को 7-6, 6-4, 6-2 से हराया। सबालेंका लगातार पांचवीं बार प्री-क्वार्टर में महिलाओं के एकल में शीर्ष खिलाड़ी आर्यना सबालेंका पांचवीं बार प्री-क्वार्टर में पहुंच गईं।

### गुकेश के सामने अब्दुसत्तोरोव की मुश्किल चुनौती

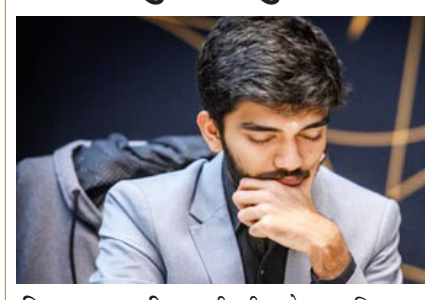

**विज्क आन जी।** पहली जीत से आत्मविश्वास हासिल करके विश्व चैंपियन भारत के युवा डी गुकेश टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज के छठे दौर में संयुक्त शीर्ष पर चल रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से भिड़ेंगे। चार ड्रॉ और एक जीत से तीन अंक लेकर गुकेश संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। वह उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव, सिंदारोव और अमेरिका के हंस नीमन से केवल आधा अंक पीछे हैं। गुकेश ने पांचवें दौर में काले मोहरों से चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराया था। उन्हें लगातार दूसरी बाजी काले मोहरों से खेलनी होगी। हालांकि मौजूदा फॉर्म देखते हुए ऐसा नहीं लग रहा मोहरों का रंग उनके प्रदर्शन पर असर डालता है।

# सिंधु को रेड कार्ड, मैच हारीं

- लक्ष्य का सफर भी खत्म

**इंडोनेशिया मास्टर्स**

**जकार्ता।** पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन की क्वार्टर फाइनल में हार के साथ इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय अभियान शुक्रवार को खत्म हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु दुनिया की नंबर चार खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई से पार नहीं पा सकीं। उन्हें 42 मिनट में चेन के हाथों 13-21, 17-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। मैच के दौरान अंपायर ने सिंधु को खेल में देरी करने और गलत आचरण के कारण रेड कार्ड दिखाया। सिंधु को पेनाल्टी अंक भी मिला। सातवें वरीय लक्ष्य को थाईलैंड के टी. पनित्चापोन से 46 मिनट में 18-21, 20-22 से हार मिली। लगातार दूसरे टूर्नामेंट में लक्ष्य क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए। इंडिया में भी अंतिम-8 में हार गए थे।

**नंबर गेम**

**8** वीं हार है यह सिंधु की चीनी खिलाड़ी चेन के खिलाफ 14 मुकाबलों में

**2** मुकाबलों में पहली हार है यह लक्ष्य की थाईलैंड के खिलाड़ी के खिलाफ

### मैच के बाद फैसले से निराश सिंधु

मैच के बाद फैसले से निराश सिंधु अधिकारियों से बहस करती दिखीं। दरअसल दूसरे गेम में सिंधु 12-11 से आगे थी। चेन के एक शॉट को लाइन अंपायर ने उनके फोरहैंड साइड पर इन करार दिया। सिंधु जो रैली में पहले ही अपना एकमात्र चैलेंज हार चुकी थीं इस फैसले से खुश नहीं थीं। सिंधु ने अपनी नाराजगी जाहिर की, लेकिन कोई चैलेंज बाकी न होने के कारण वह रेफरल नहीं मांग सकीं। उनके बर्ताव के कारण उन्हें गलत आचरण के लिए पीला कार्ड मिला। कुछ मिनट बाद जब भारतीय शटलर 12-16 से पीछे थीं तो चेयर अंपायर ने गेम में देरी करने के लिए उन्हें लाल कार्ड दिखा दिया। अंपायर के इस फैसले से सिंधु की प्रतिद्वंद्वी चेन भी हैरान हर गईं। ज्ञात रहे इससे पहले सिंधु को 2023 में कैरोलिना मारिन के खिलाफ पीला कार्ड मिला था।

## बॉलीवुड

# तापसी की 'अस्सी'

सामाजिक मुद्दों पर गंभीर और प्रभावशाली फिल्में बनाने के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा अपनी अगली फिल्म 'अस्सी' के साथ दर्शकों को झकझोरने की तैयारी में हैं। हाल ही में जारी फिल्म का मोशन पोस्टर चर्चा में है, जिसमें न सिर्फ मजबूत स्टार कास्ट की झलक है, बल्कि उन कड़वे सामाजिक सवालों की ओर भी इशारा किया गया है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। फिल्म 'अस्सी' में तापसी पन्नू एक बेहद अहम और चुनौतीपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। पोस्टर में खून से लथपथ उनका चेहरा कहानी की गंभीरता और तनाव को साफ तौर पर बयां करता है, जिसने दर्शकों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रचार के स्तर पर भी 'अस्सी' ने अलग पहचान बनाई है। फिल्म के एक पोस्टर में लेखक को 'क्रू का सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाला सदस्य' बताया गया है। भारतीय सिनेमा में यह संभवतः पहला अवसर है, जब किसी फिल्म ने सितारों, निर्देशक या स्टूडियो से पहले अपने लेखक को प्रमुखता दी हो। यह संकेत देता है कि फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी कहानी और लेखन है।

'अस्सी' एक सशक्त इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर है, जो कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है। यह फिल्म केवल कानूनी लड़ाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि न्याय की अवधारणा पर गंभीर सवाल उठाती है। कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि क्या अपराधी वही होता है, जिसे अदालत दोषी ठहराती है, या सच्चाई कहीं ज्यादा जटिल होती है। फिल्म में तापसी पन्नू के अलावा कानी कुश्रुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और जीशान अय्यूब महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा भार्गव विशेष भूमिकाओं में नजर आएंगे। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, 'बनारस मीडिया वर्क्स' के बैनर तले बनी इस फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है। 'अस्सी' 20 फरवरी 2026 को देश-विदेश के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# विक्रांत मैसी की फिल्म में दिख सकती हैं जेनिफर लोपेज

बॉलीवुड में अब तक जो करिश्मा सलमान खान और शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार भी नहीं कर पाए, वह अब विक्रांत मैसी करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक हलचल मचा दी है। इस फिल्म से जुड़ा सबसे चौंकाने वाला अपडेट यह है कि हॉलीवुड की ग्लोबल पॉप आइकन जेनिफर लोपेज इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिफर लोपेज विक्रांत मैसी की अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' के लिए एक खास 'वर्ल्ड पीस एंथम' गाने वाली हैं। यह पहली बार होगा जब किसी भारतीय अभिनेता की फिल्म में जेनिफर लोपेज जैसी वैश्विक स्टार अपनी आवाज़ देंगी। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट को 'पठान' और 'फाइटर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और निर्माता महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'हील द वर्ल्ड' जैसी विरासत रचने की तैयारीसूत्रों के मुताबिक, यह कोई साधारण गाना नहीं होगा। जेनिफर लोपेज जिस 'वर्ल्ड पीस एंथम' पर काम कर रही हैं, उसका मकसद पूरी दुनिया में शांति, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना है। इस गाने की तुलना दिवंगत पॉप लीजेंड माइकल जैक्सन के ऐतिहासिक गीत 'हील द वर्ल्ड' से की जा रही है।

बताया जा रहा है कि यह एंथम अंग्रेज़ी और स्पेनिश भाषाओं में होगा और इसकी थीम भारतीय दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी दुनिया एक परिवार है और विश्व शांति पर आधारित होगी। विक्रांत मैसी की फिल्म 'व्हाइट' इस तरह सिर्फ एक सिनेमाई प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक सोच को वैश्विक मंच पर पहुंचाने की एक बड़ी कोशिश बनकर उभर रही है। जेनिफर लोपेज की मौजूदगी ने इस फिल्म को पहले ही अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है

### आमिर ने नई गर्लफ्रेंड के सवाल पर दिया चौंकाने वाला बयान

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ लिव-इन में मूव कर चुके हैं, जिसके बाद हर किसी के मन में ये सवाल उठ रहा है कि क्या वो तीसरी बार शादी कर चुके हैं। आमिर खान ने बॉलीवुड हंगामा के साथ इस बारे में एक्सक्लूसिव बात करते हुए बताया है कि उन्हें गौरी के साथ रहने के लिए किसी प्रकार की इजाजत की जरूरत नहीं है क्योंकि वो दिल में ही गौरी से शादी कर चुके हैं। आमिर खान के अनुसार, रहम हैप्पी पटेल पर काम कर रहे थे तब गौरी ने ये फैसला लिया कि हम साथ में मूव इन कर लेते हैं। ये एक कमाल का पागलपंती वाला फैसला था। आमिर खान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा है, रमैं और गौरी एक-दूसरे के लिए काफी सीरियस हैं। हम दोनों एक-दूसरे के लिए कमिटेड हैं। हम दोनों को पता है कि हम एख-दूसरे के पार्टनर हैं। जहां तक शादी का सवाल है तो मेरे लिए ये एक पवित्र रिश्ता है और दिल में मैं गौरी को पत्नी ही मानता हूं। चाहें हम इस बारे में खुलकर उतनी बात करें या नहीं लेकिन हमें पता है कि हम साथ-साथ हैं।

### बेटी आदिरा को ससुर का पुनर्जन्म मानती हैं रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। प्रमोशन के दौरान रानी ने अपनी निजी जिंदगी, बेटी आदिरा और पति आदित्य चोपड़ा को लेकर खुलकर बातें कीं। रानी और आदित्य चोपड़ा ने हमेशा अपनी बेटी आदिरा को लाइमलाइट से दूर रखा है। बेटी के बारे में बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि उन्हें आदिरा में अपने ससुर, दिवंगत फिल्मकार यश चोपड़ा की झलक दिखाई देती है। रानी ने कहा, "वह सच में यश चोपड़ा की पोती है। कभी-कभी मुझे लगता है कि वह यश अंकल का पुनर्जन्म है। वह मुझे उनकी बहुत याद दिलाती है। वह बेहद क्रिएटिव है, अच्छा लिखती है और शानदार कहानीकार है। मुझे लगता है कि यह गुण उसे यश अंकल और अपने पापा से मिले हैं।" पति आदित्य चोपड़ा की तारीफ करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि उन्हें उनकी सादगी सबसे ज्यादा पसंद है। उन्होंने बताया कि आदित्य अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बेहद साधारण तरीके से जीते हैं और यही उनकी सबसे खूबसूरत खासियत है। रानी के मुताबिक, वह खुद भी एक सादगी भरे परिवार से आती हैं, इसलिए आदित्य का अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और जमीन से जुड़ा रहना उन्हें बेहद आकर्षित करता है। रानी ने यह भी कहा कि आदित्य ने कभी खुद को यश चोपड़ा का बेटा या बड़ा फिल्ममेकर साबित करने का बोझ नहीं उठाया।

# डब्ल्यूएचओ से अलग हुआ अमेरिका

**13** करोड़ डॉलर बकाया है डब्ल्यूएचओ का अमेरिका पर

**11.1** करोड़ डॉलर प्रति वर्ष भुगतान करता था अमेरिका

**57** करोड़ डॉलर प्रति वर्ष स्वैच्छिक योगदान करता था अमेरिका

एजेंसी । न्यूयॉर्क

अमेरिका आधिकारिक तौर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से अलग हो गया है। इस ऐतिहासिक अलगाव के प्रतीक स्वरूप, जिनेवा स्थित डब्ल्यूएचओ मुख्यालय के बाहर से अमेरिकी ध्वज को हटा दिया गया है। हालांकि यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि अन्य देशों के स्वास्थ्य डेटा तक पहुंच जैसे कुछ तकनीकी और कूटनीतिक मुद्दों को अभी तक पूरी तरह से सुलझाया नहीं जा सका है।

## अलग होने का मुख्य कारण: कुप्रबंधन के आरोप

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बड़े फैसले के पीछे कोविड-19 महामारी के दौरान डब्ल्यूएचओ के कथित 'कुप्रबंधन' को जिम्मेदार ठहराया है। जनवरी 2025 में सत्ता संभालने के बाद जारी शासकीय आदेश में उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक स्वास्थ्य संकटों से निपटने में संगठन की विफलता के कारण अमेरिका का इसमें बने रहना उचित नहीं है। ट्रंप का तर्क है कि संगठन ने महामारी के दौरान पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम नहीं किया, जिससे अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा।

### विशेषज्ञों की चेतावनी और वैश्विक प्रभाव

स्वास्थ्य जगत के विशेषज्ञों ने अमेरिका के इस कदम को विश्व स्वास्थ्य निकाय के लिए एक ₹बड़ा झटका₹ बताया है। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून विशेषज्ञ लॉरेंस गोस्टिन ने इसे किसी भी राष्ट्रपति द्वारा लिया गया अब तक का सबसे विनाशकारी फैसला करार दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के बाहर होने से न केवल भविष्य की महामारियों के खिलाफ वैश्विक प्रतिक्रिया कमजोर होगी, बल्कि अमेरिकी वैज्ञानिकों और दवा कंपनियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीके और दवाएं विकसित करने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

### वित्तीय बकाया और कानूनी विवाद

अमेरिका ने हटने की औपचारिक सूचना एक साल पहले ही दे दी थी, जो कि कानूनी रूप से अनिवार्य है। डब्ल्यूएचओ के रिकॉर्ड के अनुसार, अमेरिका पर अभी भी 13.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का बकाया है, क्योंकि उसने 2024 और 2025 के लिए अपने वित्तीय दायित्वों का भुगतान नहीं किया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि सदस्यता छोड़ने से पहले इस तरह के किसी भी बकाया भुगतान का उन पर कोई कानूनी दायित्व नहीं है।

### सबसे बड़े दानदाता की भूमिका का अंत

दशकों से अमेरिका डब्ल्यूएचओ का सबसे बड़ा वित्तीय और विशेषज्ञ समर्थक रहा है। अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका प्रति वर्ष सदस्यता शुल्क के रूप में औसतन 11.1 करोड़ डॉलर और स्वैच्छिक योगदान के रूप में लगभग 57 करोड़ डॉलर देता था। अमेरिका के हटने से संगठन को न केवल भारी वित्तीय कमी का सामना करना पड़ेगा, बल्कि उसे अमेरिका द्वारा प्रदान की जाने वाली उच्च स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञता से भी हाथ धोना पड़ेगा।

# पूर्व टीडीबी अधिकारी मुरारी बाबू को जमानत

**सबरीमाला मंदिर से जुड़ा है मामला**

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल के सबरीमला मंदिर से जुड़े कथित सोने के नुकसान मामले में न्यायिक प्रक्रिया ने एक अहम मोड़ लिया है। एक तरफ लंबे समय से चर्चा में रहे इस मामले में जांच एजेंसियों की देरी अब सवालों के घेरे में है।वहीं दूसरी ओर अदालत के एक फैसले ने पूरे मामले की दिशा बदल दी है। शुक्रवार को यहां की एक अदालत ने सबरीमाला मंदिर से सोने के कथित नुकसान से जुड़े दो मामलों में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मुरारी बाबू को कानूनी जमानत दे दी। बताया जा रहा है कि यह जमानत इसलिए दी क्योंकि बाबू की गिरफ्तारी को 90 दिन पूरे हो चुके थे, लेकिन विशेष जांच टीम (एसआईटी) अब तक दोनों मामलों में चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाई। बता दें कि मुरारी बाबू द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने की प्लेटों से कथित सोना गायब होने के मामले में दूसरे आरोपी हैं। वहीं श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोना गायब होने के मामले में छठे आरोपी हैं।

### क्यों हुई थी गिरफ्तारी?

मुरारी बाबू को अक्टूबर 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उनपर आरोप है कि मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने द्वारपालक की मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजों पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग (सोने की परत चढ़ाने) का प्रस्ताव दिया था। मुरारी बाबू ने यह प्रस्ताव त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड को आगे भेजा। इसी आधार पर उन पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया। गिरफ्तारी के समय बाबू हरिपाड में डिप्टी देवस्वोम कमिश्नर के पद पर कार्यरत थे। बाद में उन्हें निलंबित कर दिया गया था।

## न्यूज ब्रीफ

### सरकारी बीमा कर्मियों के वेतन-पेंशन संशोधन को मंजूरी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और भारतीय रिजर्व बैंक के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए वेतन और पेंशन संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से 46 हजार से अधिक कर्मचारियों, 23570 पेंशनभोगियों और 23260 पारिवारिक पेंशनभोगियों को सीधे लाभ मिलेगा। सरकार की तरफ से कहा है कि यह निर्णय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक भलाई को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सरकारी सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों के वेतन में संशोधन एक अगस्त 2022 से लागू होगा। कुल वेतन व्यय में 12.41 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

### कर्नाटक में बाइक टैक्सी पर लगा प्रतिबंध हटा

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बाइक टैक्सी पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है। इस फैसले के बाद राज्य में सेवाओं को फिर शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को बताया कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश को रद्द कर दिया है। एकलपीठ ने बाइक टैक्सी पर रोक लगा दी थी। बताया कि अभी तक आदेश की प्रति नहीं मिली है। आदेश मिलने और समीक्षा के बाद ही वह इस पर आगे टिप्पणी करेंगे। उधर, बाइक-टैक्सी संचालक कंपनी उबर ने आदेश का स्वागत किया। कहा कि यह निर्णय लाखों राइडरों को राहत देगा, जिनकी आजीविका बाइक टैक्सी पर निर्भर है।

### मानव तस्करी : जमानत देने में गंभीरता नहीं दिखाने पर हाईकोर्ट को फटकार

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मानव तस्करी के आरोपों की गंभीरता पर विचार किए बगैर आरोपी को जमानत पर रिहा किए जाने के लिए हल्के-फुल्के आदेश पारित करने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट को कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने हैरानी जताते हुए जमानत आदेश को चुनौती नहीं देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पर भी सवाल उठाया। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा आरोपी महिला को जमानत देने का आदेश रद्द कर दिया। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपों की गंभीरता और महत्व पर ठीक से विचार नहीं किया।

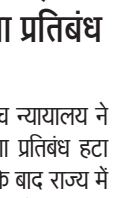

# 45 करोड़+ नौकरियां और लाखों व्यवसाय खतरे में, मोदी जवाबदेह : राहुल गांधी

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो क्लिप साझा की है। राहुल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का जिक्र करते हुए भारत पर हो रहे कथित दुष्प्रभावों को रेखांकित किया है। राहुल ने कहा है कि टैरिफ के कारण देश में करोड़ों नौकरियों के अलावा लाखों व्यवसायी भी खतरे में हैं। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि लोगों को राहत दिलाने के लिए केंद्र सरकार ने प्रभावी फैसले नहीं लिए।

### कांग्रेस सांसद ने 'दुर्दशा' के लिए प्रधानमंत्री को बताया जवाबदेह

अपने एक्स पोस्ट में राहुल ने हैशटैग- #TINA का भी इस्तेमाल किया है। राहुल की इस टिप्पणी को तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। राहुल ने कहा, अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी टैरिफ की मार का उल्लेख करते हुए लिखा, अमेरिका ने जो 50% टैरिफ लगाया है इससे अनिश्चितता के माहौल में भारत के कपड़ा निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है। कारखाने बंद हो रहे हैं, नौकरियां छिन रही हैं। ऑर्डरों में कमी हमारी 'बेहाल अर्थव्यवस्था' की हकीकत बन चुकी है। उन्होंने ऐसे हालात के लिए पीएम मोदी को जवाबदेह बताया।

### पीएम ने नहीं दी राहत, टैरिफ पर भी साधा मौन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहत के लिए प्रभावी कदम न उठाने के आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी ने न तो कोई राहत दी और न ही टैरिफ के बारे में आज तक कोई बयान दिया है। उन्होंने लिखा, '45 करोड़ से अधिक नौकरियां और लाखों व्यवसाय खतरे में हैं। मोदी जी, आप जवाबदेह हैं; कृपया इस मामले पर ध्यान दें!'

# पीएम ने तमिलनाडु में भी फूंका सियासी बिगुल

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु में इस साल 234 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं और इसके लेकर सियासी माहौल पहले से कहीं ज्यादा गर्म है। इसी बीच शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तमिलनाडु के चेंगलपट्टू पहुंचकर सियासी बिगुल फूंका। साथ ही एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि दी और पूरे देश में मनाए जाने वाले पराक्रम दिवस का महत्व याद दिलाया। इसके बाद पीएम मोदी ने सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और राज्य में भाजपा और एनडीए की डबल इंजन सरकार आने वाली है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कई वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने नेताजी के साथ मिलकर आजादी की लड़ाई लड़ी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वीरता और देशभक्ति तमिलनाडु के लोगों के दिल में बसी हुई है और उन्होंने इस पावन धरती से नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

**सीएम स्टालिन-डीएमके सरकार के भ्रष्टाचार पर बरसे**

### तमिलनाडु सरकार पर बरसे पीएम मोदी

पीएम मोदी ने स्टालिन सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि डीएमके सरकार की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। तमिलनाडु डीएमके के कुशासन से मुक्त होना चाहता है। पीएम मोदी ने कहा कि डीएमके की सत्ता सीएमसी, यानी करप्शन, माफिया और क्राइम को बढ़ावा देने वाली सरकार है। जनता डीएमके और सीएमसी को बेदखल करने का मन बना चुकी है।

### 'लोगों का विश्वास तोड़ती है स्टालिन सरकार'

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि लोगों ने डीएमके को दो बार पूर्ण बहुमत दिया, लेकिन यह सरकार तमिलनाडु के लोगों का विश्वास तोड़ती रही। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके ने बहुत सारे वादे किए, लेकिन कोई काम नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग अब डीएमके सरकार को सीएमसी सरकार कहने लगे हैं, जिसका मतलब है- भ्रष्टाचार- माफिया और अपराध। पीएम ने पिछले 11 वर्षों में तमिलनाडु के विकास के लिए एनडीए सरकार द्वारा किए गए रिकॉर्ड कामों को भी गिनाया।

### रेलवे परियोजना पर भी बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने रेलवे के क्षेत्र में भी किए गए कामों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार तमिलनाडु के लिए रेलवे बजट में पिछली डीएमके-कांग्रेस सरकार की तुलना में सात गुना अधिक राशि दे रही है। रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है और मेड इन इंडिया, वंदे भारत जैसे हाई-स्पीड ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। मोदी ने डीएमके सरकार की नेपोटिज़्म, भ्रष्टाचार और महिलाओं के प्रति अन्याय जैसे कार्यों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज

# कार्योत्तर पर्यावरणीय मंजूरी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

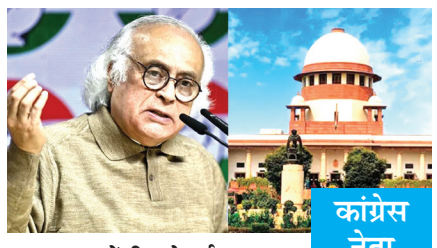

एजेंसी । चेन्नई

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कार्योत्तर पर्यावरणीय मंजूरी (एक्स पोस्ट फैक्टो) को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि ये कार्योत्तर पर्यावरण मंजूरी कानून की नजर में गलत हैं और ये शासन का मजाक उड़ाने जैसा है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'अरावली को फिर से परिभाषित करने के पहले के फैसले पर 29 दिसंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट की समीक्षा से उत्साहित होकर, मैंने सुप्रीम कोर्ट में कार्योत्तर पर्यावरण मंजूरी को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की है।'

**कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दायर की याचिका**

### कांग्रेस नेता ने कार्योत्तर मंजूरी को बताया गलत

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि काम होने के बाद दी गई पर्यावरण मंजूरी कानून की नजर में गलत है, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, और शासन का मजाक उड़ाती है। ये उन लोगों को आसानी से बचने का रास्ता देती हैं जो असल में जानबूझकर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करते हैं। उन्होंने कहा कि कानून का उल्लंघन करने के लिए कानून की जानकारी न होना कोई बहाना नहीं हो सकता। पिछले महीने, कांग्रेस महासचिव ने सुप्रीम कोर्ट से तीन जरूरी पर्यावरणीय मामलों पर स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया था। रमेश ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र किया जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने अरावली को फिर से परिभाषित करने वाले अपने 20 नवंबर के फैसले को वापस ले लिया था और कहा कि यह बहुत जरूरी और स्वागत योग्य था। जयराम रमेश ने कहा कि 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई के अपने पहले के फैसले की समीक्षा का दरवाजा भी खोल दिया था।

# विधानसभा से MGNREGA जारी रखने का प्रस्ताव पारित

**वीबी-जी राम जी लोगों को कमजोर करेगी: सीएम स्टालिन**

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित किया है। इसमें केंद्र से राज्य की ग्रामीण आबादी की आजीविका की रक्षा के लिए मनरेगा को जारी रखने का आग्रह किया। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पेश किया था। केंद्र सरकार ने नया ग्रामीण रोजगार योजना 'विक्षित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी' (वीबी-जी राम जी) शुरू किया। इसका जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा, प्रस्तावित नई योजना मनरेगा की जगह लेगी। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है।

### 'केंद्र की कई परियोजनाओं में तमिलनाडु में पहले स्थान पर है'

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में चाहे वह बुनियादी ढांचा परियोजना हो या लोगों की आजीविका को बेहतर बनाने की योजना, सभी पहलों को बिना किसी भेदभाव के कुशलतापूर्वक लागू किया गया। रकेंद्र सरकार की कई परियोजनाओं में तमिलनाडु भारत में पहले स्थान पर है। विभिन्न मंत्रालयों से लगातार सराहना प्राप्त कर रहा है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र किसी परियोजना की प्रगति के आधार पर धनराशि जारी नहीं कर रहा है। केंद्र सरकार जानबूझकर धनराशि की तत्काल रिलीज से बचती है, जो तमिलनाडु के विकास के प्रति 'सौतेला' रवैया दर्शाती है।

### विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर रोबोट करेगा यात्रियों की सुरक्षा

**विशाखापत्तनम।** भारतीय रेलवे में ने पहली बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए ह्यूमनॉइड रोबोट 'एएससी अर्जुन' की तैनाती की है। पूर्वी तट रेलवे (ईसीआर) जोन के वाल्टेयर मंडल ने यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सेवा को बेहतर बनाने के लिए रोबोट की तैनाती की है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के तत्वावधान में रोबोट को तैनात किया गया है। आरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) आलोक बोहरा ने यह जानकारी दी। मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) ललित बोहरा ने कहा कि रोबोट उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) कनेक्टिविटी और वास्तविक समय में निगरानी करने की क्षमताओं से लैस है, जिससे यह आरपीएफ कर्मियों और यात्रियों दोनों के लिए 'स्मार्ट सहायक' के रूप में कार्य कर सकता है।

# महिला अधिकारी से अभद्रता मामले में कांग्रेस नेता की याचिका खारिज

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने महिला नगर आयुक्त से अभद्र भाषा और धमकी देने के मामले में कांग्रेस नेता राजीव गौड़ा की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही महिला लोक सेवक के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग गंभीर विषय है और इसकी जांच आवश्यक है। अदालत ने स्पष्ट किया कि कानून के तहत कार्यरत किसी अधिकारी को डराने या गाली देने का अधिकार किसी को नहीं है।

### बैनर हटाने पर विवाद, एफआईआर दर्ज

आरोप है कि 13 जनवरी को शिदलगट्टा के नेहरू स्टेडियम और आसपास फिल्म प्रचार के लिए लगाए गए बैनर और फ्लेक्स बोर्ड से यातायात बाधित हो रहा था। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए नगर आयुक्त जी. अमृता ने इन्हें हटाने के आदेश दिए। इसके बाद राजीव गौड़ा ने कथित तौर पर फोन पर नगर आयुक्त से अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धमकी दी। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

**बजट उम्मीदें** रक्षा बजट हो सकता है साढ़े सात लाख करोड़ के पार

# सेनाओं के आधुनिकीकरण और एकीकरण पर रहेगा फोकस

एजेंसी । चेन्नई

सरकार 1 फरवरी को पेश होने वाले आगामी बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन कर सकती है। वर्तमान में रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें लगभग 25-30 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की उम्मीद है। हालांकि यह प्रतिशत के मामले में करीब 10% की वृद्धि होगी, लेकिन यह स्पष्ट है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सेनाओं की मजबूती और आधुनिकीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है।

### आधुनिकीकरण और स्वदेशी तकनीक पर मुख्य फोकस

इस बार के बजट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रक्षा आधुनिकीकरण का है, जिसके लिए आवंटन 2 लाख करोड़ रुपये से ऊपर जाने की संभावना है। सरकार का मुख्य जोर सेनाओं के एकीकरण और युद्ध प्रणालियों में अधिक से अधिक स्वदेशी तकनीक के इस्तेमाल पर है। चालू वित्त वर्ष में इसके लिए 1.80 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे अब 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को गति देने के लिए बढ़ाया जा रहा है।

### जीडीपी अनुपात और वित्तीय प्रबंधन

भारत का रक्षा बजट फिलहाल जीडीपी के 2% से नीचे है और विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार भी यह इसी दायरे में रहेगा। हालांकि चीन का रक्षा बजट भी उसकी जीडीपी का लगभग 2% ही है, लेकिन उसकी अर्थव्यवस्था का आकार भारत से काफी बड़ा है। भारत सरकार का रुख इस मामले में लचीला है; रक्षा मंत्रालय को जब भी

### पेंशन और OROP का वित्तीय प्रभाव

बजट का एक बड़ा और अनिवार्य हिस्सा पेंशन मद में जाता है। इस साल 'वन रैंक वन पेंशन' (OROP) के तहत हर पांच साल में होने वाली समीक्षा के कारण पूर्व सैनिकों की पेंशन में वृद्धि होनी है। चालू वित्त वर्ष में पेंशन के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसमें इस बार अच्छी-खासी बढ़ोतरी देखी जा